www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 204 || अम्बेडकरनगर
शुक्रवार
16 अक्टूबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:05
सूर्यास्तः 05:38
अधिकतमः 32°00
न्यूनतमः 22°00


पेज 07

विशेष समाचार
पंजाब में नशे का तांडवः वर्दी ... >> पेज 04
मुस्कान-साहिल को सजा-ए-... >> पेज 06
इमरान खान को छोड़ना होगा...

यूपी समेत 5 राज्यों में अगले साल विधानसभा चुनाव

उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर और गोवा में 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं। इन पांचों राज्यों में SSR कराया जाएगा। उत्तर प्रदेश की 403 सीटों वाली विधानसभा का कार्यकाल 22 मई 2027 को खत्म होगा। मणिपुर की 60, गोवा की 40, पंजाब की 117 और उत्तराखंड की 70 सीटों वाली विधानसभाओं का कार्यकाल मार्च 2027 में अलग-अलग तारीखों पर खत्म होगा। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के तहत चुनाव आयोग विधानसभा का कार्यकाल खत्म होने से छह महीने पहले भी चुनाव करा सकता है। आयोग ने कहा है कि जिन राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में SIR चल रहा है या हाल ही में पूरा हुआ है, वहां SSR का शेड्यूल बाद में घोषित किया जाएगा।

1 जनवरी 2027 के अलावा 1 अप्रैल, 1 जुलाई और 1 अक्टूबर 2027 को 18 साल की उम्र पूरी करने वाले युवा भी पहले से आवेदन कर सकेंगे। पात्र होने पर वे वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकते हैं।



लखनऊ में पुलिस के पैरों में लेटे डॉक्टर
एसीपी ने जमीन पर बैठकर हाथ जोड़े

प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में बॉन्डेड डॉक्टरों ने गुरुवार को भी समान वेतन की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। गले में स्टेथोस्कोप और मुंह पर टेप लगाकर पहुंचे डॉक्टर पुलिस के सामने हाथ जोड़ते और पैरों में लेटकर गुहार लगाते दिखे। डॉक्टरों ने कहा कि वे पिछले 42 दिन से प्रदर्शन कर रहे, लेकिन उनकी मांगें अब तक नहीं मानी गईं। डॉक्टर 1090 चौराहे से चेन बनाकर सीएम आवास की ओर बढ़ने लगे तो पुलिस ने उन्हें रोक दिया। डॉक्टरों को सड़क पर बैठता देख ACP खुद जमीन पर बैठ गए। उन्होंने हाथ जोड़कर डॉक्टरों से कहा कि धरना खत्म कर दीजिए। दरअसल, 2 सितंबर को डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने डॉक्टरों से समान वेतन लागू कराने का भरोसा दिया था।

>> (शेष पेज 06 पर)



- डॉक्टर बोले- वन बॉन्ड है तो वन सैलरी दी जाए

17 राज्यों की वोटर लिस्ट में होगा विशेष संशोधन
एसआईआर विवाद के बीच चुनाव आयोग का बड़ा एलान

घोषणा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। SIR विवाद और मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग की बीच चुनाव आयोग ने 17 राज्यों में विशेष सारांश पुनरीक्षण (SSR) कराएगा। चुनाव आयोग ने इसके लिए राज्यों को सूचित किया है। इन 17 राज्यों में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर और गोवा भी शामिल हैं, जहां चुनाव होने वाले हैं।

उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर और गोवा सहित संबंधित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को लिखे एक पत्र में, चुनाव आयोग ने कहा कि इस प्रक्रिया के लिए 1 जनवरी 2027 निर्धारित कट-ऑफ तारीख होगी।

403 सदस्यों वाली उत्तर प्रदेश विधानसभा का वर्तमान कार्यकाल अगले साल 22 मई को समाप्त हो रहा है। मणिपुर, गोवा, पंजाब और उत्तराखंड की विधानसभाओं, जिनमें क्रमशः 60, 40, 117 और 70 सीटें हैं, का कार्यकाल मार्च 2027 में अलग-अलग तारीखों पर समाप्त होगा।

>> (शेष पेज 06 पर)



मतदान केंद्रों की व्यवस्था भी सुधारी जाएगी

चुनाव आयोग ने मतदान केंद्रों की संख्या और उनकी जगह की समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। सामान्य तौर पर एक मतदान केंद्र पर 1,200 से ज्यादा मतदाता नहीं होने चाहिए। जरूरत पड़ने पर नए मतदान केंद्र बनाए जा सकते हैं। अधिकारियों को यह भी देखना होगा कि मतदाताओं को अपने मतदान केंद्र तक पहुंचने के लिए दो किलोमीटर से ज्यादा दूरी तय न करनी पड़े। इसके लिए हाईराइज सोसायटियों, रिहायशी कॉलोनियों और शहरी झुग्गी-बस्तियों में मतदान केंद्रों की जरूरत का आकलन किया जाएगा।



17 राज्यों में एसएसआर के निर्देश

राज्य	राज्य
अंडमान और निकोबार	मणिपुर
असम	पुडुचेरी
बिहार	पंजाब
छत्तीसगढ़	राजस्थान
गोवा	तमिलनाडु
गुजरात	उत्तर प्रदेश
केरल	उत्तराखंड
लक्षद्वीप	पश्चिम बंगाल
मध्य प्रदेश	

12 नवंबर को जारी होगी ड्राफ्ट वोटर लिस्ट

चुनाव आयोग ने SSR के लिए तारीखें तय की हैं। इसके तहत 2 नवंबर 2026 तक मतदान केंद्रों की व्यवस्था में जरूरी बदलाव किए जाएंगे। इसके बाद 12 नवंबर को वोटर लिस्ट की ड्राफ्ट कॉपी जारी होगी। ड्राफ्ट लिस्ट में नाम या जानकारी को लेकर 12 नवंबर से 11 दिसंबर तक दावे और आपत्तियां दर्ज कराई जा सकेंगी। इनका निपटारा 28 दिसंबर तक किया जाएगा। इसके बाद 4 जनवरी 2027 को वोटर लिस्ट की अंतिम सूची जारी होगी।

अखिलेश यादव का आरोप : भाजपा और चुनाव आयोग मिलकर कर रहे वोट चोरी
कार्यकर्ताओं से बूथों पर निगरानी रखने की अपील

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा और चुनाव आयोग पर मिलीभगत कर लोकतंत्र और संविधान को धोखा देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा चुनाव हारने और कमजोर पड़ने पर चुनाव आयोग के पीछे छिप जाती है। चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है और मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की तैयारी की जा रही है। अखिलेश यादव ने दावा किया कि समाजवादी पार्टी के पीडीए प्रहरियों ने प्रदेश में अब तक 19 लाख 20 हजार 732 फर्जी वोटरों की पहचान की है। गुरुवार को लखनऊ स्थित समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में अखिलेश यादव ने 'समाजवादी ईसीआई ऑडिट-1' पुस्तिका जारी की।

>> (शेष पेज 06 पर)



- 'वोट की डकैती' का लगाया आरोप
- 19.20 लाख फर्जी वोटरों की पहचान का दावा

फास्ट न्यूज

अंकिता भंडारी के माता-पिता बोले-गौतम को राज्यपाल न बनाएं

नई दिल्ली । अंकिता भंडारी के माता-पिता ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने मांग की कि जांच पूरी होने तक भाजपा नेता दुष्यंत कुमार गौतम की सिक्किम के राज्यपाल पद पर नियुक्ति को रोक दिया जाए।

निर्देश सर्विस

1 नवंबर से फोन-स्क्रीन पर कॉलर का नाम दिखाना जरूरी

नई दिल्ली। आपके फोन पर जब भी किसी का कॉल आएगा, तो स्क्रीन पर उस व्यक्ति का नंबर और नाम दोनों दिखेंगे। जिस ID से सिम खरीदी, वही नाम डिस्प्ले होगा। इससे फर्जी कॉल पहचानने में मदद मिलेगी। दूरसंचार विभाग ने टेलिकॉम ऑपरेटर्स को 1 नवंबर 2026 से ये सर्विस शुरू करने का निर्देश दिया है। यूजर को इस सर्विस को अलग से एक्टिवेट करने की जरूरत नहीं होगी। सरकार ने कंपनियों को निर्देश दिया है कि 1 नवंबर 2026 से सभी 4G और 5G मोबाइल नेटवर्क पर 'कॉलिंग नेम प्रेजेंटेशन' (CNAP) अनिवार्य कर दिया जाए।

भाजपा बोली- नेहा बोरा बांग्लादेश जैसा आंदोलन चाहती हैं

नई दिल्ली । भाजपा ने AISA अध्यक्ष नेहा बोरा के बांग्लादेश के जेन-जी आंदोलन पर दिए बयान को लेकर राहुल गांधी पर निशाना साधा है। भाजपा नेता प्रदीप भंडारी ने आरोप लगाया कि नेहा बोरा के शब्दों के पीछे राहुल गांधी की सोच है। भंडारी ने कहा- राहुल गांधी ने एक मार्च के दौरान नेहा बोरा को आंदोलन के चेहरे के तौर पर पेश किया था।

सुप्रीम कोर्ट तक मार्च पर राहुल को नोटिस
सीजेआई बोले- हमें कोई धमका नहीं सकता

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। 12 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट तक विपक्ष के मार्च मामले में गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान CJI सूर्यकांत ने कहा कि कोई भी कोर्ट को डरा-धमकाकर दबाव में नहीं ला सकता। ऐसी कोशिशें बेकार हैं। इन पर कोई ध्यान नहीं देता। हम किसी काल्पनिक दुनिया में नहीं जी रहे हैं। हमें हर बात की जानकारी है। CJI ने राहुल का नाम लिए बिना यह भी कहा कि याचिकाकर्ताओं में से एक के आचरण पर सवाल करेंगे और उसे सफाई देनी होगी। 12 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट परिसर में विपक्षी नेताओं और उनके समर्थकों के जुटने से जुड़े मामले में राहुल गांधी, अखिलेश यादव और अन्य 14 नेताओं को नोटिस जारी किया है।

>> (शेष पेज 06 पर)



- सुप्रीम कोर्ट मार्च के खिलाफ 4 वकीलों ने याचिका दाखिल की

माफिया की कब्जाई जमीन पर भूमिपूजन किया, यहां गरीबों के लिए 600 फ्लैट बनेंगे

सीएम योगी ने अतीक के इलाके कसारी-मसारी का नाम बदला



बदलाव

- पहले यह जगह माफिया अतीक की अय्याशी का अड्डा थी - सीएम योगी
- आज हम माफिया से मुक्त भूमि पर आवास बांट रहे- सीएम योगी

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । सीएम योगी ने माफिया अतीक अहमद के इलाके कसारी-मसारी का नाम बदलकर श्रीकृष्ण पुरी कर दिया है। योगी ने गुरुवार को प्रयागराज में कहा कि कसारी-मसारी नाम कसाइयों वाला लगता था। इसके साथ ही सीएम योगी ने अतीक और उसके गुर्गों के कब्जे से मुक्त कराई गई सरकारी जमीन पर बनने वाले फ्लैटों का भूमिपूजन किया। सीएम योगी ने कहा- कसारी मसारी नाम कसाइयों वाला लगता है।

सीएम योगी ने कहा- पहले यूपी वाला कहकर लोग सौ कदम दूर भागते थे। आज यूपी का नाम सुनकर सौ कदम दूर हैं, तो गले मिलने का प्रयास करते हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)



योगी ने कहा-अब सरकार माफिया की जमीन पर गरीबों के आशियाने बना रही है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण की इस आवासीय परियोजना में 14 मंजिला बिल्डिंग बनाई जाएगी। इसमें कुल 602 फ्लैट होंगे। हर फ्लैट में दो बेडरूम, हॉल और किचन की सुविधा मिलेगी।

अब नाम यह नहीं होगा। अब इसका नाम श्रीकृष्ण पुरी के नाम पर होगा। उसी नाम से विकसित होगा। कसारी मसारी

अब कोई प्रापर्टी पर कब्जा नहीं कर सकता- सीएम योगी

सीएम योगी ने कहा- आज गुंडा माफिया ताक झांक नहीं कर सकता। प्रापर्टी पर कब्जा नहीं कर सकता। बाप दादा की प्रापर्टी भी जब्त कर लेंगे। सुरक्षा का माहौल इसलिए देना है कि युवाओं को रोजगार मिल सकें। गरीब को आवास मिल सके। सुशासन का लाभ लेकर जीवन अच्छा जी सके। प्रयागराज में शहर उत्तरी में गंगा नदी से बड़े पुल का निर्माण आगे बढ़ाया।

उद्घाटन : मोदी बोले- केंद्र के लिए यहां का विकास प्राथमिकता पीएम ने 3350 करोड़ के प्रोजेक्ट शुरू किए

हमारा ध्यान लद्दाख की नई पीढ़ी पर : मोदी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि सरकार का ध्यान लद्दाख की नई पीढ़ी पर है, ताकि युवाओं को अच्छी शिक्षा मिले और उन्हें दूसरे शहरों पर निर्भर न रहना पड़े। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के लिए लद्दाख का विकास प्राथमिकता है। पीएम मोदी ने लद्दाख में करीब 3,350 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का वर्चुअली उद्घाटन और लोकार्पण किया।

इनमें लेह एयरपोर्ट का नया पैसेंजर टर्मिनल, 298 किलोमीटर लंबी निम्मू-पदुम-दरचा सड़क, 9 मेगावाट का हानू हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट, बिजली ट्रांसमिशन लाइन, देश का पहला पेट्रोग्लिफ संरक्षण पार्क और 40 गांवों में बनाए गए जलाशय शामिल हैं। इन प्रोजेक्ट्स से लद्दाख में हवाई और सड़क कनेक्टिविटी बेहतर होगी। साथ ही बिजली की उपलब्धता, जल संरक्षण और प्राचीन सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी। पीएम मोदी ने कहा- लद्दाख में खेलों की भी बहुत संभावनाएं हैं। यहां के युवाओं ने आइस हॉकी, पर्वतारोहण में नई पहचान बनाई है। यहां की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं, ताकि युवा राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियां हासिल करें। पीएम ने कहा- प्रोजेक्ट हिम सरोवर के तहत बने 40 तालाब भी लद्दाख के लोगों को समर्पित किए गए हैं। हमेशा से ये कहा जाता है कि लद्दाख में प्रकृति के कारण जीवन मुश्किल है।

>> (शेष पेज 06 पर)



3,350

करोड़ रुपये की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लद्दाख में पांच विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया

पीएम बोले- सरकारी सेवाओं तक पहुंच आसान हो

पीएम मोदी ने कहा- सरकारी सेवाओं तक पहुंच आसान हो, स्थानीय उद्यमी देश-दुनिया से जुड़ सके, इसके लिए लगातार काम हो रहा है। हमारा ध्यान लद्दाख की नई पीढ़ी पर है। युवाओं को अच्छी शिक्षा मिले, उन्हें दूसरे शहरों पर निर्भर न रहना पड़े, यहां सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बन रहा है।

दिल्ली में एशियन गेम्स मेडलिस्ट से मिले पीएम
कहा- महिला हॉकी में 44 साल का इंतजार खत्म हुआ

कार्यक्रम

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज दिल्ली के मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में एशियन गेम्स 2026 के मेडलिस्ट खिलाड़ियों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि एशियन गेम्स में भारतीय महिला हॉकी ने गोल्ड मेडल जीतकर 44 साल का इंतजार खत्म किया है। खिलाड़ियों की सफलता देश की सफलता है। इस कार्यक्रम में केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया और भारतीय ओलंपिक संघ (IOA) की अध्यक्ष पीटी उषा भी शामिल रहीं। आइची-नागोया में हुए एशियाई खेलों में भारत ने कुल 85 पदक जीते। इनमें 21 गोल्ड, 27 सिल्वर और 37 ब्रॉन्ज शामिल हैं। भारत पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हाल ही में हुए एशियन गेम्स कई मायनों में यादगार रहे। भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमों ने गोल्ड मेडल जीते।

>> (शेष पेज 06 पर)



- पीएम मोदी बोले- युवा खुद अपनी राह बना रहे

प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई पर केंद्र को नोटिस

सुप्रीम कोर्ट का आदेश - सीजेपी प्रोटेस्ट का सीसीटीवी सुरक्षित रखें

सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को CJP प्रदर्शन के दौरान मेट्रो स्टेशन और इंटरनेट बंद करने और जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल की सूची से हटाने के मामले पर सुनवाई हुई।

कोर्ट ने कहा- हम 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर हुई पुलिस कार्रवाई पर केंद्र को नोटिस जारी कर रहे हैं। उन्हें इसका जवाब देना होगा। इसके साथ ही कोर्ट ने जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल से हटाने के फैसले पर भी सरकार को नोटिस दिया है। कोर्ट ने 10 अक्टूबर को CJP प्रदर्शन पर कहा कि उस दिन



कॉकरोच जनता पार्टी ने 10 अक्टूबर को दिल्ली में प्रदर्शन बुलाया था। इस दौरान 7 हजार लोगों को हिरासत में लिया गया था।

के सभी CCTV फुटेज संभालकर रखे जाएं। इससे पहले केंद्र सरकार ने 10 अक्टूबर को दिल्ली में इंटरनेट बंद करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट से बिना शर्त माफी मांगी थी। गृह सचिव गोविंद मोहन ने कोर्ट को दिए हलफनामे में कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अफवाह रोकने के लिए यह कदम उठाना पड़ा।

पत्रकारों के फोन जब्त करने पर सुप्रीम कोर्ट का केंद्र को नोटिस

सीनियर एडवोकेट सीयू सिंह ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि पत्रकारों के उपकरण (फोन/कैमरा आदि) जब्त कर लिए गए हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनका काम इन्हीं पर निर्भर है, इसलिए ये उपकरण लौटाए जाने चाहिए।

हालांकि, SG तुषार मेहता ने कहा कि कोई भी उपकरण जब्त नहीं किया गया है।

विपक्ष और प्रदर्शनकारियों की तरफ से कोर्ट में गोपाल शंकर-

मेट्रो-इंटरनेट बंद करने पर सरकार माफी मांग चुकी

एसीपी विवेक भगत द्वारा एक महिला पत्रकार के खिलाफ दर्ज कराई गई एफ़्फ़का मामला सुप्रीम कोर्ट के सामने आया।

सीजेआई सूर्यकांत ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया कि उन्हें गिरफ्तार न किया जाए। एसजी तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि अगर वह जांच में शामिल होती हैं, तो उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जाएगा।

नारायणन, कपिल सिब्बल और मेनका गुरुस्वामी ने दलीलें रखीं। वहीं, सरकार का पक्ष सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और गौरव भाटिया रख रहे हैं। CJI सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने प्रदर्शनकारियों, पत्रकारों और केंद्र के एक्शन पर से जुड़े

सरकार ने पूछा- क्या फोन रखने वाला हर कोई पत्रकार बन सकता है

3 अक्टूबर के विरोध प्रदर्शन के दौरान महिला पत्रकारों पर हमले का मामला सुप्रीम कोर्ट के सामने उठाया गया। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल (SG) तुषार मेहता ने वकील इंदिरा जयसिंह से कहा कि तकनीक के इस दौर में, मोबाइल रखने वाला कोई भी व्यक्ति पत्रकार बन जाता है।

9 अलग-अलग मामलों पर सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने प्रदर्शनों के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई से जुड़े सभी मामलों में नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने पुलिस और एजेंसियों को आदेश दिया है कि वे प्रदर्शन से जुड़ी सभी सीसीटीवी और डिजिटल फुटेज को सुरक्षित रखें।

महिला पत्रकारों के साथ हिंसा परः सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वह महिला पत्रकारों के साथ पुलिस मारपीट के आरोपों की जांच के लिए एक समिति बनाएगा। इसके साथ ही कोर्ट ने एक महिला पत्रकार की गिरफ्तारी पर रोक लगाने का सीधा निर्देश दिया है। जंतर-मंतर को प्रदर्शनस्थल



जंतर-मंतर पर हो रहे प्रदर्शन की कवरेज में कई फ्रीलांस जर्नलिस्ट भी शामिल हुए।

केंद्र ने कहा- जंतर-मंतर को प्रदर्शन सूची से हटाने का फैसला समिति का

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को जंतर-मंतर को निर्धारित प्रदर्शन स्थल की सूची से हटाने पर कहा, "हम केंद्र और दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर रहे हैं और उनका जवाब मांग रहे हैं। उन्हें जवाब देने दीजिए। अगर जवाब संतोषजनक नहीं हुआ, तो कानून अपना काम करेगा। केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल की सूची से हटाने का फैसला एक समिति की सिफारिश पर लिया गया था।

फास्ट न्यूज

डॉ. कलाम की जयंती पर सेमिनार

बाराबंकी । भारत रत्न और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती पर गुरुवार शाम 4:00 बजे को ग्राम सैदनपुर के मदरसा अल जामियातुल अशरफिया रज्जाकिया फखरूल उलूम में एक सेमिनार हुआ। इसमें डॉ. कलाम के जीवन और राष्ट्र विकास में उनके योगदान को याद करते हुए श्रद्धांजलि दी गई। वक्ताओं ने शिक्षा, वैज्ञानिक सोच, एकता और भाईचारे को मजबूत बनाने पर जोर दिया।

दीवानी कचहरी में डॉ. कलाम की जयंती

गोरखपुर । गोरखपुर के दीवानी कचहरी में गुरुवार को पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती मनाई गई। अधिवक्ता गुफरान खान के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में अधिवक्ताओं और समाजसेवियों ने भाग लिया। इस दौरान डॉ. कलाम के आदर्शों और विचारों को याद किया गया। कार्यक्रम में बार एसोसिएशन सिविल कोर्ट गोरखपुर के उपाध्यक्ष एडवोकेट सुमित कुमार मिश्रा, बृजेंद्र सहाय मिश्र, नीरज पासवान, सोहन तिवारी, मो. ओवैस, रबींद्र निषाद, शुभम यादव, आलोक गोयल, सत्यवान यादव और मनीष यादव मौजूद रहे।

बाराबंकी में खाद्य विभाग की छापेमारी

बाराबंकी । बाराबंकी में नवरात्र और दशहरा के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा विभाग ने सघन जांच अभियान चलाया। टीम ने गल्ला मंडी समेत कई खाद्य प्रतिष्ठानों पर पहुंचकर जांच की। इस दौरान फलाहारी खाद्य पदार्थों के आठ नमूने जांच के लिए भेजे गए। छापेमारी की सूचना मिलते ही कई दुकानदार अपनी दुकानें बंद कर मौके से फरार हो गए। विभाग ने त्योहारों के दौरान लोगों को सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह अभियान तेज किया है।

बंद मकान को चोरों ने बनाया निशाना, 10 लाख के जेवरात पार

पेंशन निकलवाने बाराबंकी गई थीं गृहस्वामिनी

तमसा संकेत, संवाददाता



सूरतगंज (बाराबंकी)। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के मरौचा ईश्वरी सिंह गांव में चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाकर लाखों रुपये के सोने के आभूषण पार कर दिए। घर में ताला लगा देखकर चोर छत के रोशनदान के रास्ते अंदर घुसे और अलमारी में रखे सोने के जेवरात लेकर फरार हो गए। पीड़िता के मुताबिक, चोरी हुए आभूषणों की कीमत करीब 10 लाख रुपये है। घटना की जानकारी होने पर परिजनों ने डायल 112 पर सूचना दी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव निवासी विमला सिंह 14 अक्टूबर 2026 को अपनी पेंशन निकलवाने के लिए बाराबंकी गई थीं। वहीं, परिवार के अन्य सदस्य खेतों में थ्रेशिंग और दूसरे जरूरी कार्यों के सिलसिले में घर से बाहर थे। सुबह करीब 10 बजे से शाम 5 बजे के बीच मकान सूना रहा। इसी दौरान अज्ञात चोरों ने मौके का फायदा उठाते हुए घर में प्रवेश किया और अलमारी में रखे कीमती आभूषण चोरी कर लिए।

पीड़िता विमला सिंह के मुताबिक, चोर घर में रखी चार सोने की अंगूठियां, एक सोने की चेन, चार सोने के कंगन और एक सोने का हार समेत करीब 10 लाख रुपये के आभूषण चोरी कर ले गए। शाम करीब छह बजे जब वह घर लौटीं, तो सामान बिखरा देखकर चोरी की जानकारी हुई। इसके बाद परिजनों ने आसपास खोजबीन की, लेकिन चोरों का कोई सुराग नहीं लगा।

माफिया की जगह सिर्फ मिट्टी में : योगी

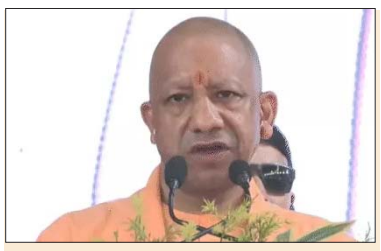
गरीबों के लिए हवेलियां बनेंगी, सफाईकर्मियों को 16000 रुपए न्यूनतम मानदेय देंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । वाराणसी में सीएम योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को काल भैरव और काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन किया। इसके बाद सरोजा पैलेस, पिपलानी कटरा में आयोजित समारोह में सफाईकर्मियों का सम्मान किया।

सीएम योगी ने सफाईकर्मियों को न्यूनतम 16 हजार रुपए मानदेय देने की बात कही। उन्होंने कहा कि अगर कोई उनका पैसा काटेगा तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। सफाईकर्मियों को PF, सुरक्षा बीमा और इलाज की सुविधा भी मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी सफाईकर्मी की मृत्यु होने पर उसके परिवार को आर्थिक सहायता दी जाएगी। उन्होंने सफाईकर्मियों के काम की सराहना करते हुए कहा कि वे लोगों को स्वच्छ वातावरण देने के लिए मेहनत करते हैं। उनके सम्मान और सुविधाओं का ध्यान रखना जरूरी है।



एयर शो की तैयारियों को लेकर सीएम योगी ने की समीक्षा

बुधवार रात सीएम योगी आदित्यनाथ ने सर्किट हाउस सभागार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित वाराणसी दौरे और एयर शो के आयोजन को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की।

सीएम योगी ने कहा कि जब लोग सोकर नहीं उठते, तब हमारे सफाईकर्मी सफाई में जुट जाते हैं। वे अपने पुरुषार्थ और परिश्रम से लोगों को स्वच्छ वातावरण देते हैं। उनके काम का समाज में महत्वपूर्ण योगदान है। सीएम योगी ने कहा कि यह चारों दिशाओं में चलने वाला अभियान है। इसका उद्देश्य लोगों में जागरूकता फैलाना है। मारपीट से किसी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। समस्याओं का हल संवाद से ही निकलेगा।

सीएम योगी ने माफिया के खिलाफ कार्रवाई का जिक्र करते हुए कहा कि अब माफिया नहीं, उनकी जगह मिट्टी में है। माफिया से खाली कराई गई जमीन पर गरीबों के लिए बड़ी-बड़ी बिल्डिंगें बनाई जाएंगी।

योगी बोले- मानदेय काटा तो होगी कड़ी कार्रवाई

सीएम योगी ने कहा कि सफाईकर्मियों को उनके काम का पूरा मानदेय मिलना चाहिए। अगर कोई व्यक्ति उनका पैसा काटेगा तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अब उत्तर प्रदेश आउटसोर्स कॉर्पोरेशन सफाईकर्मियों के लिए काम कर रहा है। सफाईकर्मियों के लिए 16 हजार रुपए न्यूनतम मानदेय देने की व्यवस्था की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सफाईकर्मियों को PF की सुविधा मिलेगी। PF में जमा रकम पर बैंक की ओर से हर महीने ब्याज मिलेगा। इसके साथ ही उन्हें सुरक्षा बीमा का कवर भी दिया जाएगा। किसी सफाईकर्मी की मृत्यु होने पर उसके परिवार को सरकार की ओर से आर्थिक सहायता दी जाएगी।



सीएम ने कहा कि सफाईकर्मियों को अस्पताल और इलाज की सुविधा मिलनी चाहिए। ऐसी व्यवस्था की जाएगी कि वे अपने इलाज और दवा का खर्च उठा सकें। सफाईकर्मी सुबह लोगों के उठने से पहले ही शहर को साफ करने में जुट जाते हैं। उनके परिश्रम से लोगों को स्वच्छ वातावरण मिलता है।

रात भर झूमे श्रद्धालु मां भगवती जागरण के बाद निकली भव्य ज्योति विसर्जन यात्रा

जय माता दी जयकारो से गूंजा कस्बा

पूर्व विधायक शरद कुमार अवस्थी ने पूजा-अर्चना कर किया जागरण का शुभारंभ

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर सूरतगंज कस्बे के हनुमान मंदिर प्रांगण में मां दुर्गा जागरण समिति की ओर से आयोजित मां भगवती के 22वें विशाल जागरण में आस्था और भक्ति का सैलाब उमड़ पड़ा। बुधवार रात आयोजित जागरण में भजन गायकों की मधुर प्रस्तुतियों और कलाकारों की मनमोहक धार्मिक झांकियों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। वहीं, गुरुवार को जागरण के समापन के बाद आकर्षक झांकियों के बीच मां भगवती की ज्योति विसर्जन यात्रा निकाली गई। ढोल-नगाड़ों, भक्ति गीतों और माता रानी के जयकारों के बीच श्रद्धालु लाल गुलाल उड़ाते हुए जमकर झूमे। जय माता दी के जयकारों से पूरा कस्बा गुंजायमान हो



उठा। इसके बाद बाराबंकी के जेएमडी जागरण परिवार ने भजनों के माध्यम से मां भगवती की महिमा का बखान किया। मंदिर परिसर में देर रात तक श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी रही और माता रानी के जयकारे गूंजते रहे। गुरुवार को जागरण के समापन के बाद विधि-विधान के साथ मां भगवती की ज्योति विसर्जन यात्रा निकाली गई। शोभायात्रा हनुमान मंदिर प्रांगण से शुरू होकर पुलिस चौकी, फूलपुर चौराहा और कस्बे के विभिन्न मार्गों से होते हुए सूरतगंज-हेतमापुर मार्ग पर पहुंची। इसके बाद यात्रा बंभनावा गांव स्थित सुमली नदी के तट पर पहुंची। शोभायात्रा में सजी आकर्षक झांकियां लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी रहीं। श्रद्धालु ढोल-नगाड़ों और भक्ति गीतों की धुन पर नाचते-गाते आगे बढ़ते रहे। लाल गुलाल उड़ाकर भक्तों ने उत्साह के साथ माता रानी के जयकारे लगाए।

बुधवार रात हनुमान मंदिर परिसर में सजे भव्य मंच पर मां भगवती का गुणगान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व विधायक शरद कुमार अवस्थी ने मां भगवती की पूजा-अर्चना कर किया। उन्होंने माता रानी के चरणों में शीश नवाकर क्षेत्र की सुख-शांति, समृद्धि और जनकल्याण की कामना की।





भजनों पर झूमे श्रद्धालु, झांकियों ने मोहा मन

जागरण में आयोजक एवं गायक राजन रस्तोगी ने अपनी भक्ति प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं, गायिका शिखा मोहन अवस्थी ने गणेश वंदना और 'गणपति लाला जागे' की प्रस्तुति से कार्यक्रम को भक्तिमय रंग दिया। गायक शिवा कुमार ने 'चलो बुलाया आया है, माता ने बुलाया है', 'जागो सा जागो' और 'बम भोले' जैसे लोकप्रिय भजनों से श्रद्धालुओं में उत्साह भर दिया। भजनों की धुन पर भक्त तालियां बजाते और माता रानी के जयकारे लगाते नजर आए। मैनपुरी से आए कलाकारों की भगवान गणेश, मां काली और मां भगवती के विभिन्न स्वरूपों पर आधारित आकर्षक झांकियां कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहीं।

गोरखपुर में चचेरे भाई की गोली मारकर हत्या

पेट में लगी गोली, खेत जोतने को लेकर हुआ विवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । गोरखपुर में गुरुवार सुबह 11:30 बजे खेत जोतने को लेकर विवाद हो गया। इस दौरान चचेरे भाई ने गोली मारकर युवक की हत्या कर दी। पेट में गोली लगने के बाद युवक जान बचाने के लिए भागा, लेकिन गांव की पुलिया के पास पहुंचते ही उसकी मौत हो गई।

घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। परिजनों का कहना है कि जमीन को लेकर परिवार के लोगों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। घटना हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र के करनपुरा गांव में हुई। मेथौली के रहने वाले सुदामा पांडेय उर्फ गामा का करनपुरा गांव में नेवासा है। उनके अन्य भाई करनपुरा में रहकर खेती करते हैं। जमीन को लेकर दोनों पक्षों में काफी



समय से विवाद चल रहा था।

गुरुवार सुबह सुदामा का बेटा शिवम पांडेय (26) खेत की जुताई कराने पहुंचा था। उसके चचेरे भाई राधेश्याम पांडेय उर्फ रधई ने खेत जोतने से मना कर दिया। इसे लेकर दोनों पक्षों में विवाद हुआ। इसके बाद ट्रैक्टर वहां से चला गया।

आरोप है कि ट्रैक्टर के जाने के बाद रधई का एक अन्य भाई मौके पर पहुंचा और शिवम को गोली मारने के लिए ललकारा। इसके बाद रधई ने शिवम पर गोली चला दी। गोली पेट में लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

छापा : सोना-चांदी गलाने की सूचना पर कार्रवाई, टीम ने पुराना लेनदेन का रिकॉर्ड खंगाला

गोरखपुर सराफा बाजार में डीआरआई का छापा

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । गोरखपुर के हिंदी बाजार स्थित सराफा मंडी में बुधवार रात राजस्व खुफिया निदेशालय (DRI) की टीम ने अचानक छापा मारा। कार्रवाई के बाद बाजार में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। लखनऊ से आई टीम ने गोपी गली स्थित बुद्ध गलाई (SKR) फर्म में सोना-चांदी के स्टॉक और पुराने लेनदेन से जुड़े रिकॉर्ड की जांच की।

संबंधित फर्म में लंबे समय से सोना-चांदी गलाने का काम होता है। बाजार में यह फर्म पहले भी करीब दो किलो सोने के कथित गबन को लेकर चर्चा में रही थी। हालांकि, बुधवार को हुई DRI की कार्रवाई में क्या मिला और जांच किन बिंदुओं पर केंद्रित रही,



इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

कार्रवाई की सूचना मिलते ही सराफा मंडी में हलचल बढ़ गई। शुरुआत में कारोबारियों के बीच आयकर, GST या कस्टम विभाग की कार्रवाई होने की चर्चा रही। बाद में पता चला कि छापा DRI की टीम ने मारा है। हिंदी बाजार की यह सराफा मंडी सोना-चांदी की खरीद-फरोख्त और तस्करी को लेकर अक्सर चर्चा में रहती है। बताया जा रहा है कि संबंधित फर्म की गतिविधियों पर पिछले कुछ समय से जांच एजेंसी की नजर होने की चर्चा थी। बुधवार को गोपनीय सूचना के आधार पर टीम ने

जानकारी के मुताबिक, लखनऊ से आई डीआरआई टीम ने बुधवार शाम करीब 6 बजे गोपी गली स्थित बुद्ध गलाई फर्म में कार्रवाई शुरू की। टीम देर रात तक प्रतिष्ठान में सोना-चांदी के स्टॉक और पुराने लेनदेन से जुड़े रिकॉर्ड की जांच करती रही।

कार्रवाई की। सराफा बाजार में संबंधित फर्म पिछले दिनों करीब दो किलो सोने के कथित गबन को लेकर भी चर्चा में आई थी। बाजार के जानकारों के मुताबिक, इस मामले में पुलिस तक शिकायत नहीं पहुंची थी। कारोबारियों के बीच आपसी स्तर पर मामला सुलझाए जाने की चर्चा रही। इसके अलावा फर्म की ओर से संपत्तियां खरीदे जाने को लेकर भी बाजार में चर्चाएं हैं। हालांकि, DRI की मौजूदा कार्रवाई का इन चर्चाओं से कोई संबंध है या नहीं, इसकी पुष्टि नहीं हुई है। जांच के नतीजों और कार्रवाई में सामने आए तथ्यों को लेकर एजेंसी की ओर से आधिकारिक जानकारी का इंतजार है।

गोरखपुर में 'कैंची धाम' की थीम पर दुर्गा पंडाल

हिंदू-मुस्लिम कारीगरों ने बाबा नीम करोरी के धाम की झांकी सजाई

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर के साहबगंज गुड़मंडी में कैंची धाम की थीम पर मां दुर्गा का पंडाल बनाया गया है। जिसमें झांकी के माध्यम से नीम करोरी बाबा से जुड़े हर छोटी- छोटी जगहों को खूबसूरत ढंग से दर्शाया है। खास बात यह है कि इस झांकी को हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदाय के कारीगरों ने मिलकर तैयार किया है। जिसे देखने के लिए अभी से ही लोगों में उत्साह है।

दुर्गा पूजा नवयुक्त समिति के अध्यक्ष हिमांशु गुप्ता ने बताया कि इस खास थीम के पीछे एक बेहद दिलचस्प कहानी है। कुछ समय पहले समिति के सभी सदस्य एक साथ 'हनुमान अंश' फिल्म देखने



गए थे। इस फिल्म को देखने के बाद सभी के दिलों में हनुमान जी और उनके महान अवतार माने जाने वाले संत नीम करोरी बाबा के प्रति गहरी श्रद्धा और आस्था जाग गई। इसके बाद समिति के सभी सदस्यों ने मन बनाया कि वे उत्तराखंड स्थित कैंची धाम जाकर नीम करोरी बाबा के दर्शन करेंगे।

हालांकि, व्यस्तताओं और किसी कारणवश वे कैंची धाम की यात्रा पर नहीं जा सके। जब नवरात्रि का त्योहार नजदीक आया, तो समिति के सदस्यों के मन में विचार आया कि क्यों न इस बार अपने शहर में ही कैंची धाम की थीम पर पंडाल सजाया जाए। इससे न केवल समिति के लोग बल्कि गोरखपुर के आम श्रद्धालु भी नीम करोरी बाबा के दिव्य स्वरूप और उनके धाम की महिमा से रूबरू हो सकेंगे।

झांकी को भव्य और सजीव रूप देने के लिए पिछले 25 दिनों से दिन-रात काम चल रहा है। आयोजकों के मुताबिक, पंडाल का लगभग 90 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और बचा हुआ 10 प्रतिशत फिनिशिंग और सजावट का काम अगले दो दिनों के अंदर पूरा कर लिया जाएगा।

फलाहार में दिखे भाजपा समर्थक, पूर्व सांसद रितेश पांडेय ने पहनाए भगवा गमछे

सपा विधायक के आवास पर भगवा रंग सियासी चर्चाएं तेज

> कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों की मौजूदगी दिखाई दी, जबकि सपा के नेता नजर नहीं आए। फलाहार के दौरान रितेश पांडेय लोगों को भगवा गमछा पहनाते दिखे। आयोजन की तस्वीरों के सामने आने के बाद राजनीतिक हलकों में इसकी चर्चा होने लगी।





चर्चा

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। अकबरपुर स्थित सपा विधायक राकेश पांडेय के आवास पर गुरुवार को आयोजित फलाहार कार्यक्रम ने जिले की राजनीति में नई चर्चा छेड़ दी। आयोजन में भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों की मौजूदगी रही। विधायक के बेटे और पूर्व सांसद रितेश पांडेय लोगों को भगवा गमछा पहनाते नजर आए। विधायक राकेश पांडेय भी भगवा गमछा पहने दिखे। कार्यक्रम को लेकर राजनीतिक संदेश की चर्चा जरूर है, लेकिन इसके उद्देश्य पर विधायक या उनके परिवार की ओर से कोई स्पष्ट बयान सामने नहीं आया है। ऐसे में आयोजन को किसी राजनीतिक बदलाव या निर्णय से जोड़ना अभी जल्दबाजी होगी। फिलहाल, पिता-पुत्र की अलग राजनीतिक पहचान और विधायक के आवास पर हुए इस आयोजन ने जिले की सियासत में ध्यान खींचा है।

एक आवास, दो राजनीतिक पहचान

जलालपुर से सपा विधायक राकेश पांडेय और उनके बेटे रितेश पांडेय की राजनीतिक पहचान अलग-अलग है। राकेश पांडेय समाजवादी पार्टी से विधायक हैं, जबकि रितेश पांडेय भाजपा में सक्रिय हैं। ऐसे में सपा विधायक के आवास पर भगवा गमछों और भाजपा समर्थकों की मौजूदगी चर्चा का प्रमुख कारण बनी।

- भाजपा समर्थक दिखे, सपा नेताओं की गैरमौजूदगी पर नजर
- सियासी संकेत या पारिवारिक आयोजन?

पिता-पुत्र की अलग राजनीतिक राह फिर चर्चा में

वेतन की मांग पर 22 अक्टूबर से सहकारी समिति सचिवों की हड़ताल

अंबेडकरनगर के कर्मचारी लखनऊ के इको गार्डन में देंगे धरना

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। वेतन भुगतान और अन्य समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर ग्राम स्तरीय सहकारी ऋण समितियों के कर्मचारी आंदोलन की तैयारी में हैं। साधन समिति सचिव परिषद की अंबेडकरनगर इकाई ने बृहस्पतिवार को सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता को ज्ञापन सौंपा। परिषद ने चेतावनी दी है कि मांगों का समाधान नहीं हुआ तो 22 अक्टूबर से प्रदेशव्यापी आंदोलन में जिले के कर्मचारी भी शामिल होंगे।

परिषद के जिलाध्यक्ष वशिष्ठ कुमार शुक्ल ने बताया कि प्रदेश नेतृत्व ने 7 सितंबर 2026 को आयुक्त एवं निबंधक सहकारिता को मांगपत्र भेजा था। इसमें कैडर सचिव, प्रभारी और नॉन कैडर सचिव, आंकिक लिपिक, विक्रेता तथा चौकीदारों की वेतन संबंधी समस्याओं के समाधान की मांग की गई थी। उनके अनुसार, 21 सितंबर और 6 अक्टूबर को हुई बैठकों में समाधान का आश्वासन मिला, लेकिन अब तक कोई ठोस आदेश जारी नहीं हुआ। इसी के विरोध में 7 अक्टूबर को प्रदेश के कर्मचारी लखनऊ में आयुक्त कार्यालय पहुंचे थे और ज्ञापन सौंपा था। परिषद का कहना है कि प्रशासन ने उस समय एक सप्ताह का समय मांगा था।

परिषद ने कहा कि यदि लंबित वेतन का भुगतान और वेतन संबंधी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो 22 अक्टूबर को लखनऊ के इको गार्डन में प्रदेश स्तरीय धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। इसमें अंबेडकरनगर के सभी संबंधित कर्मचारी भाग लेंगे।

फास्ट न्यूज

बहिगवा जोगीपुर में रामलीला का आगाज

अंबेडकरनगर। आलापुर विधानसभा क्षेत्र की ग्रामसभा बहिगवा जोगीपुर में बुधवार को नवयुवक रामलीला समिति के आयोजन का शुभारंभ हुआ। डॉ. प्रेमलता भारती ने फीता काटकर रामलीला का उद्घाटन किया। इस दौरान स्थानीय पदाधिकारी, युवा कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद रहे। उद्घाटन कार्यक्रम में गोविंद साहब मंडल के उपाध्यक्ष रामयश भारती, दिव्यांग प्रकोष्ठ के सहसंयोजक संजय यादव, युवा कार्यकर्ता उत्तम यादव और पत्रकार कृष्णा सिंह सहित अन्य लोग शामिल हुए।

रामलीला से लौट रहे युवक को पीटा, सिर में गंभीर चोट

अंबेडकरनगर। जलालपुर कोतवाली क्षेत्र में रामलीला देखकर घर लौट रहे युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित अर्पित ने कुछ लोगों पर बेल्ट और अन्य वस्तुओं से हमला कर सिर में गंभीर चोट पहुंचाने का आरोप लगाया है। उसने दो हजार रुपये और मोबाइल फोन छीनने की शिकायत भी की है। अर्पित के प्रार्थना पत्र के अनुसार, वह 13 अक्टूबर को जलालपुर में रामलीला देखने गया था। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद घर लौटते समय मित्तूपुर-जलालपुर मार्ग के पास कुछ लोगों ने उसे रोक लिया।

मिशन शक्तिः उत्कृष्ट काम करने वाली महिलाएं और टॉपर छात्राएं सम्मानित

अंबेडकरनगर। मिशन शक्ति अभियान फेज-6 के तहत सम्मनपुर थाने में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं और विद्यालय की टॉपर छात्राओं को सम्मानित किया गया। शारदीय नवरात्र के कार्यक्रम के क्रम में आयोजित समारोह में थानाध्यक्ष ने उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम में महिलाओं के सराहनीय कार्यों की प्रशंसा की गई।

डीएम कार्यालय के पास सड़क बदहाल गड्ढों और गिट्टियों से राहगीर परेशान

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। जिला मुख्यालय पर जिलाधिकारी कार्यालय के पास स्थित सड़क की हालत खराब है। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे हैं और डामर उखड़ने से गिट्टियां बिखरी हुई हैं। इससे राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी हो रही है। महत्वपूर्ण सरकारी कार्यालयों के नजदीक सड़क की यह स्थिति व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही है।

इस मार्ग से जिला अस्पताल और मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के साथ कचहरी व तहसील जाने वाले लोग गुजरते हैं। अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों, बुजुर्गों और उनके परिजनों को ऊबड़-खाबड़ सड़क पर चलने में दिक्कत होती है। दोपहिया वाहन चालकों को भी गड्ढों और बिखरी गिट्टियों के बीच सावधानी से निकलना पड़ता है।

सड़क की सतह उखड़ने से कई जगह गिट्टियां बाहर निकल आई हैं। इससे वाहन चलाना और पैदल गुजरना मुश्किल हो रहा है। जिला मुख्यालय के व्यस्त क्षेत्र में स्थित इस मार्ग की मरम्मत की जरूरत है। स्थानीय स्तर पर सड़क की बदहाली को लेकर सवाल उठ रहे हैं। अब देखना है कि लोक निर्माण विभाग और संबंधित अधिकारी सड़क की स्थिति का जायजा लेकर मरम्मत के लिए क्या कदम उठाते हैं।

- जिला अस्पताल, सीएमओ कार्यालय, कचहरी और तहसील जाने वालों को उठानी पड़ रही परेशानी, मरम्मत का इंतजार

तालाब की खुदाई में जुटीं 44 महिलाएं डीएम ने लिया जायजा

तमसा संकेत, संवाददाता

घुरहुपुर में वीबी-जी राम जी योजना का निरीक्षण



अंबेडकरनगर। तालाब की सफाई और खुदाई के काम में महिलाओं की भागीदारी देखने के लिए जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने अकबरपुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत घुरहुपुर का निरीक्षण किया। यहां बन्हवा तालाब में झाड़ियों की सफाई और खुदाई का काम वीबी-जी राम जी योजना के तहत कराया जा रहा है। डीएम ने कार्यस्थल पर पहुंचकर काम की स्थिति देखी और महिला श्रमिकों से सीधे संवाद किया।

निरीक्षण के दौरान मौके पर 51 श्रमिक काम करते मिले। इनमें 44 महिलाएं और सात पुरुष शामिल थे। जिलाधिकारी ने मास्टर रोल का अवलोकन किया। इसके बाद श्रमिकों से दर्ज विवरण के अनुरूप चल रहे काम के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कार्यों की स्थिति का जायजा भी लिया। जिलाधिकारी ने महिला श्रमिकों के परिश्रम और योगदान की सराहना करते हुए उनका उत्साह बढ़ाया। उन्होंने काम में महिलाओं की भागीदारी को महिला सशक्तीकरण का उदाहरण बताया।

निरीक्षण के दौरान नवरात्र पर्व और मिशन शक्ति के तहत महिला श्रमिकों को फल और मिष्ठान वितरित किए गए। डीएम ने उन्हें पर्व की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान डीसी वीबी-जी राम जी, ग्राम प्रशासक और अन्य श्रमिक मौजूद रहे।

दुर्गा पूजा पंडालों में सुरक्षा की पड़ताल डीएम-एसपी ने किया पैदल मार्च

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। शारदीय नवरात्र और दुर्गा पूजा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए बुधवार देर शाम जिलाधिकारी ईशा प्रिया और पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने टांडा नगर क्षेत्र में पैदल मार्च किया। इस दौरान अधिकारियों ने विभिन्न दुर्गा पूजा पंडालों का निरीक्षण कर सुरक्षा इंतजामों की स्थिति देखी। पूजा समितियों के पदाधिकारियों से बातचीत कर व्यवस्थाओं की जानकारी भी ली।

निरीक्षण के दौरान पंडालों में सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंध, अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता और बिजली से जुड़े सुरक्षा इंतजामों को परखा गया। अधिकारियों ने पूजा समितियों को पर्व के दौरान सतर्क रहने और सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि पंडालों में बचाव और सुरक्षा से जुड़े सभी जरूरी इंतजाम समय से पूरे किए जाएं। किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाए।

डीएम ने संबंधित अधिकारियों को पूजा पंडालों और आसपास के क्षेत्रों में नियमित साफ-सफाई कराने को कहा। उन्होंने कूड़े का लगातार उठान सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए, ताकि आयोजन स्थलों पर स्वच्छता बनी रहे।

- टांडा में सीसीटीवी, अग्निशमन उपकरण और बिजली के इंतजाम जांचे पूजा समितियों को सुरक्षा मानकों के पालन के निर्देश

अयोध्या की दौड़ से मिलेगी राहत?

एमएसीटी कोर्ट की मांग बार एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री और डीएम को भेजा मांगपत्र

- दो हजार मुकदमों का दिया हवाला
- अकबरपुर तहसील की व्यवस्थाओं में सुधार की मांग

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण (एमएसीटी) को अयोध्या से अंबेडकरनगर मुख्यालय स्थानांतरित करने की मांग उठी है। बार एसोसिएशन अंबेडकरनगर ने अधिवक्ताओं और वादकारियों की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री, राज्यपाल और जिलाधिकारी को मांगपत्र भेजा है। इसके साथ ही अकबरपुर तहसील में रजिस्ट्री, अभिलेखागार और नक्शा दुरुस्ती से जुड़े कामकाज में सुधार की मांग की गई है। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सुनील कुमार यादव और सचिव अनिल कुमार वर्मा के नेतृत्व में भेजे गए मांगपत्र में कहा गया है कि करीब पांच वर्ष पहले एमएसीटी का क्षेत्राधिकार अयोध्या से जोड़ दिया गया था। इसके बाद अंबेडकरनगर के वादकारियों और अधिवक्ताओं को मामलों की सुनवाई के लिए अयोध्या जाना पड़ता है। मांगपत्र के अनुसार, जनपद मुख्यालय से अयोध्या की दूरी करीब 75 किलोमीटर है। इससे लोगों को समय और धन खर्च करना पड़ता है।

जिलाधिकारी को दिए गए दूसरे मांगपत्र में पुरानी तहसील से सब-रजिस्ट्रार कार्यालय को अकबरपुर तहसील परिसर के नवनिर्मित भवन में स्थानांतरित करने की मांग की गई है। इसके अलावा नक्शा दुरुस्ती की पत्रावलियों के शीघ्र निस्तारण, अभिलेखागार में पुराने दस्तावेज उपलब्ध कराने और अभिलेखों के निरीक्षण के लिए पांच दिन निर्धारित करने की मांग रखी गई है। अधिवक्ताओं के बैठने की व्यवस्था सुधारने, नकल जारी करने की प्रक्रिया सरल करने, आदेशों की फीडिंग में तेजी लाने और फैजाबाद अभिलेखागार से पुरानी पत्रावलियां मंगाने की व्यवस्था दुरुस्त करने की भी मांग की गई है। एसडीएम अकबरपुर के स्थानांतरण का मुद्दा भी मांगपत्र में शामिल है।

> बार एसोसिएशन के मुताबिक, एमएसीटी से जुड़े करीब दो हजार मुकदमे विचाराधीन हैं। ऐसे में अधिकरण को अंबेडकरनगर मुख्यालय पर स्थापित करने की मांग की गई है। एसोसिएशन ने बताया कि इस संबंध में 6 सितंबर 2026 को भी न्यायमूर्ति के समक्ष प्रार्थना पत्र दिया गया था।

किसान सम्मान निधि से 3,555 अपात्र बाहर

नवंबर में 24वीं किस्त आने की उम्मीद

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त नवंबर में किसानों के खातों में आने की उम्मीद है। इससे पहले जिले में लाभार्थियों के सत्यापन और अभिलेखों में सुधार का काम तेज कर दिया गया है। जांच में अब तक 3,555 किसान अपात्र मिले हैं, जबकि 28 मामलों का निस्तारण विवाद के कारण लंबित है।

उप कृषि निदेशक अश्विनी कुमार सिंह के अनुसार, सत्यापन के दौरान मृतक लाभार्थियों, पति-पत्नी दोनों के नाम पर लाभ लेने वालों और दोहरे नामों को सूची से हटाया जा रहा है। उन्होंने किसानों से नाम, बैंक खाते और भूमि संबंधी अभिलेखों में त्रुटि होने पर उसे समय से दुरुस्त कराने की अपील की है।

अभिलेखों में नाम की त्रुटि सुधारने के लिए 22,994 किसानों ने आवेदन किया था। इनमें से 18,410 किसानों के नाम दुरुस्त किए जा चुके हैं। वहीं, गाटा संख्या में सुधार के लिए मिले 6,767 आवेदनों में से 6,395 का निस्तारण कर दिया गया है। शेष आवेदनों पर कार्रवाई जारी है।

> विभाग के मुताबिक, योजना शुरू होने के बाद से जिले में करीब 25 हजार मृतक लाभार्थियों के नाम हटाए जा चुके हैं। इसके अलावा 2,300 दोहरे नाम और 8,200 पति-पत्नी के नाम भी सूची से हटाए गए हैं। योजना के नियमों के अनुसार, पात्रता पूरी करने पर पति-पत्नी में से केवल एक को ही लाभ मिल सकता है।

कुश्ती में कांस्य जीतने वाली अंशिका ने एक दिन संभाली डीएम की कुर्सी

मिशन शक्ति-6.0 के तहत मिला मौका

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। खेल के मैदान में कुश्ती का दम दिखाने वाली जलालपुर की छात्रा अंशिका ने मंगलवार को प्रशासनिक कामकाज को करीब से जाना। मिशन शक्ति-6.0 के तहत कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, जलालपुर की कक्षा सात की छात्रा को एक दिन का जिलाधिकारी बनाया गया। जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने उसे कार्यालय की कार्यप्रणाली और प्रशासनिक जिम्मेदारियों से परिचित कराया। इस दौरान अंशिका ने जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं भी सुनीं।

एक दिन की जिलाधिकारी की भूमिका में अंशिका ने जनता दर्शन में आए लोगों की शिकायतें सुनीं। उसे जनसमस्याओं के निस्तारण की प्रक्रिया और जनहित से जुड़े निर्णयों के बारे में जानकारी दी गई। जिलाधिकारी ने प्रशासनिक कामकाज के विभिन्न पहलुओं को समझाया। इस पहल के जरिए छात्रा को यह जानने का अवसर मिला कि अधिकारी आम लोगों की समस्याओं पर किस तरह सुनवाई करते हैं।

अंशिका ने प्रदेश स्तरीय खेल प्रतियोगिता-2026 में कुश्ती के अंडर-14 वर्ग के 46 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया है। उसकी इस उपलब्धि का उल्लेख करते हुए जिलाधिकारी ने आगे भी मेहनत जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने खेल के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन करने की शुभकामनाएं दीं।

कार्रवाई : बीएसए ने तीन खंड शिक्षा अधिकारियों को सौंपी विस्तृत जांच की जिम्मेदारी

छात्रा से अनुचित व्यवहार के आरोप में प्रधानाध्यापक निलंबित

- अकबरपुर, कटेहरी और टांडा के अधिकारी करेंगे जांच

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। प्राथमिक विद्यालय में कक्षा छह की छात्रा के साथ कथित अनुचित व्यवहार के मामले में शिक्षा विभाग ने कार्रवाई की है। प्राथमिक जांच में आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए जाने पर बुधवार को प्रधानाध्यापक संतोष कुमार दूबे को निलंबित कर दिया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. पूनम मिश्रा ने मामले की विस्तृत जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की है। मामले की विस्तृत जांच के लिए गठित समिति में खंड शिक्षा अधिकारी अकबरपुर, कटेहरी और टांडा को शामिल किया गया है। समिति संबंधित पक्षों के बयान और उपलब्ध तथ्यों की पड़ताल कर रिपोर्ट सौंपेगी। इसके आधार पर आगे की विभागीय कार्रवाई तय की जाएगी।

> विभाग के अनुसार, कथित घटना 10 अक्टूबर को हुई थी। घर पहुंचने पर छात्रा ने परिजनों को इसकी जानकारी दी। इसके बाद परिजनों ने सोमवार को पुलिस से शिकायत की। मामला सामने आने पर शिक्षा विभाग ने भी जांच शुरू कर दी।

प्राथमिक जांच में आरोप प्रथम दृष्टया सही मिले

24 घंटे में मांगी गई थी रिपोर्ट

बीएसए ने खंड शिक्षा अधिकारी जलालपुर को 24 घंटे के भीतर प्राथमिक जांच रिपोर्ट देने का निर्देश दिया था। जांच के दौरान विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापक से फोन पर बात की गई। उनके अनुसार, छात्रा ने शिक्षक द्वारा अनुचित तरीके से स्पर्श किए जाने की जानकारी दी थी। प्राथमिक जांच में मिले तथ्यों के आधार पर विभाग ने प्रधानाध्यापक के निलंबन की कार्रवाई की। हालांकि, मामले में आरोपों की अंतिम पुष्टि विस्तृत जांच और संबंधित कानूनी प्रक्रिया के बाद ही होगी।

एससी-एसटी एक्ट के दो मामलों में वांछित हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

आलापुर पुलिस ने गैर-जमानती वारंट पर पकड़ा

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। आलापुर थाना पुलिस ने एससी-एसटी एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में दर्ज दो मुकदमों में गैर-जमानती वारंट के आधार पर हिस्ट्रीशीटर शाहिद मुनीर सिद्दीकी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को गिरफ्तारी के बाद आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार, 50 वर्षीय शाहिद मुनीर सिद्दीकी आलापुर थाना क्षेत्र के हुसैनपुर मुसलमान गांव का निवासी है। उसके खिलाफ विशेष न्यायाधीश एससी-एसटी एक्ट की अदालत से दो अलग-अलग मामलों में गैर-जमानती वारंट जारी हुए थे। पुलिस ने वारंट के अनुपालन में उसे गिरफ्तार किया।

पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, आरोपी के खिलाफ वर्ष 2014 में मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज हुआ था। इसमें एससी-एसटी एक्ट की धाराएं भी शामिल थीं। वहीं, वर्ष 2022 में दर्ज दूसरे मुकदमे में जहरखुरानी से संबंधित धारा 328, महिला के विरुद्ध अपराध से संबंधित धारा 354ख और एससी-एसटी एक्ट के तहत आरोप शामिल हैं।

पुलिस ने बताया कि शाहिद मुनीर सिद्दीकी आलापुर थाने का हिस्ट्रीशीटर है। उसके खिलाफ आलापुर और बसखारी थानों में दर्ज मामलों समेत कुल सात आपराधिक प्रकरण पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज हैं। इनमें धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और मारपीट से जुड़े मामले शामिल हैं।

सम्पादकीय

नशे से जूझता पंजाब



लंबे समय से नशे की समस्या से जूझ रहा पंजाब ड्रग्स तस्करी रोकने में किस तरह नाकाम है, इसका उदाहरण है पंजाब पुलिस के एक कांस्टेबल के घर से 40 करोड़ रुपये की हेरोइन बरामद होना। इस कांस्टेबल की ड्यूटी ही ड्रग्स तस्करी रोकने की थी, लेकिन वही इस अपराध में लिप्त पाया गया। यह एक तरह से बाड़ खेत को खाए वाला मामला है। पंजाब में ड्रग्स के धंधे में लिप्त लोगों से लड़ना कितना कठिन है, इसका एक अन्य उदाहरण वह घटना भी है, जिसमें नशे के खिलाफ आवाज उठाने वाले एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई। इसके पहले भी ऐसे लोगों को धमकियां मिली हैं या फिर उन पर हमले हुए हैं।

पंजाब से हर दिन ऐसी खबर आती है कि कहीं ड्रग्स की खेप बरामद की गई, कहीं ड्रग्स तस्करी का नेटवर्क ध्वस्त किया गया, कहीं ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार किया गया या फिर नशे के लती किसी युवा ने दम तोड़ दिया। एक समय था जब मादक पदार्थों की पहुंच और उसका सेवन शहरी इलाकों तक ही सीमित था, लेकिन अब तो गांवों में भी तरह-तरह की सिंथेटिक ड्रग्स पहुंच रही हैं। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि जगह-जगह नशा मुक्ति केंद्रों के साथ नशा मुक्ति अभियान भी चल रहा है, क्योंकि नशे के लती युवकों की संख्या कम होने का नाम नहीं ले रही है। अनेक युवा असमय ही काल के गाल में समा जा रहे हैं या शारीरिक-मानसिक रूप से इतने अशक्त हो जा रहे हैं कि परिवार वालों के लिए बोझ बन जा रहे हैं। राज्य में नशे के आदी लोगों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। युवक ही नहीं, युवतियां भी नशे की लत का शिकार बन रही हैं। जो पंजाब एक समय हष्ट-पुष्ट और मेहनतकश युवाओं के लिए जाना जाता था, वहां के तमाम युवा आज नशे की लत का शिकार होकर अपनी सेहत और अपना भविष्य बर्बाद कर रहे हैं। इसी कारण सेना और अर्धसैनिक बलों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सक्षम युवा मिलने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। यह स्थिति यही बताती है कि पंजाब में नशे की उपलब्धता ने एक गंभीर संकट खड़ा कर दिया है। यह निराशाजनक है कि पंजाब में जो भी पार्टी इस बड़े वादे के साथ सत्ता में आई कि वह राज्य को ड्रग्स की समस्या से मुक्ति दिलाएगी, वह नाकाम ही रही।

इस नाकामी के मूल में राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी नजर आती है। पंजाब में ऐसे नेताओं की कमी नहीं, जिन पर ड्रग्स तस्करों को संरक्षण देने के आरोप लगते रहते हैं। इससे इनकार नहीं कि पाकिस्तान पंजाब की युवा पीढ़ी को बर्बाद करने के लिए ड्रग्स भेज रहा है, लेकिन वह ऐसा इसीलिए कर पा रहा है, क्योंकि राज्य में ड्रग्स का धंधा करने वाले काबू में नहीं आ पा रहे हैं। पंजाब नशे की जकड़न से तभी मुक्त होगा, जब इस समस्या से युद्धस्तर पर निपटा जाएगा।

> 66
> **पाकिस्तान से लगी पंजाब की लगभग 553 किलोमीटर लंबी सीमा इस चुनौती को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ती है। ड्रोन के माध्यम से नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी की आशंकाएं सीमा प्रबंधन को और जटिल बनाती हैं।**

पंजाब में नशे का तांडवः वर्दी बनी त्रासदी



पंजाब की धरती कभी शौर्य, पराक्रम, मेहनत, उद्यमशीलता और जीवटता के लिए जानी जाती थी। इसी मिट्टी के नौजवानों ने देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी और खेतों में पसीना बहाकर देश का अन्न भंडार भरा। लेकिन आज उसी पंजाब की पहचान नशे के बढ़ते कारोबार, युवाओं की बर्बादी और ड्रग्स माफिया के बढ़ते प्रभाव से जुड़ती जा रही है। यह केवल एक राज्य की सामाजिक त्रासदी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, शासन-व्यवस्था और राजनीतिक इच्छाशक्ति की गंभीर परीक्षा है। जिस पंजाब के युवाओं के हाथों में कभी तलवार, हल और तिरंगा शोभा देते थे, वहां आज नशे ने अनेक हाथों को बेबस और अनेक परिवारों को बदहवास कर दिया है। विडंबना देखिए कि नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने की जिम्मेदारी जिन पुलिसकर्मियों की है, यदि उन्हीं के घर से करोड़ों रुपये की हेरोइन बरामद होने की खबर सामने आती है, तो यह व्यवस्था के लिए खतरे की घंटी है। पंजाब में एक पुलिस कांस्टेबल के घर से कथित तौर पर 40 करोड़ रुपये की हेरोइन बरामद होने का मामला इसी सड़ांध की ओर संकेत करता है। यह घटना महज एक आपराधिक प्रकरण नहीं, बल्कि उस व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न है, जिसमें अपराध रोकने के लिए नियुक्त व्यक्ति ही कथित तौर पर अपराध के संदेह के घेरे में आ जाए। यह तो वही स्थिति हुई कि 'बाड़ ही खेत को खाने लगे', तो फसल की रखवाली कौन करेगा? जिस पुलिस के कंधों पर नशा तस्करों को पकड़ने का दायित्व है, यदि उसी व्यवस्था के भीतर ऐसे तत्व पनपने लगें, तो आम नागरिक का भरोसा डगमगाना स्वाभाविक है। इस मामले में निष्पक्ष जांच, दोषियों की पहचान और कठोर कानूनी कार्रवाई जरूरी है। किसी व्यक्ति को केवल आरोप के आधार पर दोषी नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन वर्दी की आड़ में अपराध करने वाले किसी भी व्यक्ति को कानून से बचने का अवसर भी नहीं मिलना चाहिए। पंजाब में नशे का कारोबार अब गलियों, गांवों और कस्बों तक अपनी जड़ें फैला चुका है। कभी नशे की समस्या को सीमावर्ती क्षेत्रों या शहरी युवाओं तक सीमित माना जाता था, लेकिन आज सिंथेटिक ड्रग्स सहित विभिन्न मादक पदार्थों की उपलब्धता ने संकट को और व्यापक बना दिया है। युवा पीढ़ी का एक हिस्सा नशे की गिरफ्त में आकर अपना स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और भविष्य गंवा रहा है। कहीं मां की गोद सूनी हो रही है, कहीं वृद्ध पिता के बुढ़ापे का सहारा छिन रहा है और कहीं परिवार का कमाऊ सदस्य नशे की लत के कारण स्वयं अपने परिजनों पर बोझ बन रहा है। 'घर का चिराग ही घर में अंधेरा कर दे', इससे बड़ी विडंबना क्या होगी! नशे की लत केवल व्यक्ति को नहीं तोड़ती, बल्कि पूरे परिवार और सामाजिक ताने-बाने को भीतर तक खोखला कर देती है। इस संकट की गंभीरता सरकारी आंकड़ों और पुलिस की कार्रवाइयों से भी समझी जा सकती है। उपलब्ध विवरणों के अनुसार दस महीनों में पंजाब पुलिस ने 10,524 तस्करों को गिरफ्तार किया, जिनमें 153 बड़े ऑपरेटर शामिल थे। इस दौरान 790 किलोग्राम हेरोइन, 860 किलोग्राम अफीम और अन्य मादक पदार्थों के साथ 13 करोड़ रुपये से अधिक की ड्रग मनी जब्त की गई तथा नशे के कारोबार से जुड़ी 208 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति पर कार्रवाई की गई। ये आंकड़े कार्रवाई के पैमाने को अवश्य दर्शाते हैं, लेकिन साथ ही यह सवाल भी उठाते हैं कि इतनी बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ आखिर राज्य में पहुंच कैसे रहे हैं? इतनी गिरफ्तारियों और जब्ती के बावजूद यदि नशे की उपलब्धता और लत पर निर्णायक अंकुश नहीं लग रहा, तो स्पष्ट है कि समस्या की जड़ें गहरी हैं। 'मर्ज बढ़ता गया, ज्यों-ज्यों दवा की' जैसी स्थिति से बचने के लिए गिरफ्तारियों की संख्या से आगे बढ़कर नशे की आपूर्ति, वित्तीय नेटवर्क और राजनीतिक संरक्षण की पड़ताल करनी होगी। वर्ष 2026 में अब तक पंजाब की सीमा से 183 ड्रोन जब्त किए जाने का उल्लेख इस खतरे की गंभीरता को रेखांकित करता है। सीमा पार से संचालित तस्करी के नेटवर्क पर प्रहार करना आवश्यक है, लेकिन सारी जिम्मेदारी बाहरी ताकतों पर डालकर राज्य के भीतर की कमजोरियों से आंखें नहीं मूंदी जा सकतीं। यदि स्थानीय तस्कर, संगठित गिरोह और भ्रष्ट तंत्र मिलकर काम कर रहे हों, तो सीमा पर कड़ी निगरानी के साथ-साथ भीतर भी कठोर कार्रवाई करनी होगी। 'दूध का दूध और पानी का पानी' करने वाली जांच ही बता सकती है कि इस काले कारोबार में कौन मोहरा है, कौन खिलाड़ी और कौन पर्दे के पीछे बैठा सूत्रधार। आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार ने नशामुक्ति और तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई को लेकर अनेक दावे किए हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये दावे जमीन पर उतना परिवर्तन ला पाए हैं, जिसकी अपेक्षा पंजाब की जनता ने की थी? सत्ता में आने से पहले नशे के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई के वादे करना आसान है, लेकिन उस लड़ाई को परिणाम तक पहुंचाना राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक ईमानदारी और निरंतर जवाबदेही मांगता है। यदि नशे की उपलब्धता बनी हुई है, युवा लगातार इसकी गिरफ्त में आ रहे हैं और तस्करी के नेटवर्क बार-बार सक्रिय हो जाते हैं, तो सरकार की रणनीति और उसके क्रियान्वयन पर सवाल उठना स्वाभाविक है। केवल छापेमारी, गिरफ्तारी और घोषणाओं से नशामुक्त पंजाब का सपना साकार नहीं होगा। सरकार की सफलता का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि नशे की आपूर्ति कितनी घटी, कितने युवा उपचार के बाद सामान्य जीवन में लौटे और बड़े तस्करों तथा उनके संरक्षकों के विरुद्ध कितनी प्रभावी कार्रवाई हुई। नशे के खिलाफ लड़ाई में पुलिस सुधार, आधुनिक तकनीक, सीमा सुरक्षा और वित्तीय जांच के साथ-साथ नशामुक्ति केंद्रों, मनोवैज्ञानिक परामर्श, रोजगार और पुनर्वास पर भी समान ध्यान देना होगा। नशे के शिकार युवाओं को केवल अपराधी मानकर खारिज करना समाधान नहीं है, उन्हें उपचार, सहारा और सम्मानजनक जीवन में लौटने का अवसर देना भी जरूरी है। गांवों में जनभागीदारी, स्कूल-कॉलेजों में जागरूकता और परिवारों की सक्रिय भूमिका इस अभियान को जनांदोलन का स्वरूप दे सकती है। साथ ही, पुलिस और राजनीतिक तंत्र में किसी भी स्तर पर संरक्षण देने वालों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। पंजाब को नशे की गिरफ्त से निकालना केवल सरकार का नहीं, पूरे समाज का दायित्व है, लेकिन नेतृत्व की पहली जवाबदेही सरकार की ही है। जब कानून के रखवाले ही संदेह के घेरे में आने लगें और करोड़ों की हेरोइन की बरामदगी व्यवस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़े करे, तब आत्ममंथन टालना आत्मघाती होगा। 'लकीर पीटने' के बजाय अब निर्णायक परिणाम देने का समय है। पंजाब को खोखले नारों नहीं, कठोर कार्रवाई, पारदर्शी जांच और जवाबदेह शासन की जरूरत है। नशा माफिया की जड़ें उखाड़ने के लिए राजनीतिक संरक्षण की दीवारें तोड़नी होंगी और कानून का भय हर अपराधी तक पहुंचाना होगा। अन्यथा नशे का यह तांडव पंजाब की युवा शक्ति को ही नहीं, देश की सामाजिक और राष्ट्रीय सुरक्षा को भी गंभीर क्षति पहुंचाता रहेगा।

- ललित गर्ग

यूपी चुनावः अयोध्या, गोरखपुर और संभल में आखिर क्यों दी जा रही है चुनौती?

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की आहट के साथ ही प्रदेश की राजनीति में बयानबाजी और चुनौती देने का दौर तेज हो गया है। अयोध्या, गोरखपुर और संभल जैसे महत्वपूर्ण राजनीतिक क्षेत्रों के नाम लेकर नेताओं के बीच सीधी चुनावी टक्कर की बात की जा रही है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बीच अयोध्या से चुनाव लडने को लेकर शुरू हुई जुबानी जंग में अब एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भी अपनी चुनौती जोड़ दी है। उन्होंने योगी आदित्यनाथ को संभल और अखिलेश यादव को गोरखपुर से चुनाव लडने की चुनौती दी है। इस घटनाक्रम ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नया सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर इन तीन स्थानों को लेकर इतनी राजनीतिक गर्मी क्यों है? दरअसल, यह केवल तीन विधानसभा क्षेत्रों का मामला नहीं है बल्कि इसके पीछे धार्मिक प्रतीक, राजनीतिक प्रभाव, सामाजिक समीकरण और सत्ता के प्रति जनता के रुख को समझने की कोशिश भी दिखाई देती है। इन चुनौतियों के माध्यम से राजनीतिक दल अपने विरोधियों को उनके स्थापित प्रभाव क्षेत्रों से बाहर निकलकर जनता का सामना करने के लिए कह रहे हैं। अयोध्या का नाम आते ही राम मंदिर, धार्मिक आस्था और भारतीय राजनीति में उसके प्रभाव की चर्चा स्वाभाविक है। पिछले कुछ वर्षों में अयोध्या में बड़े पैमाने पर विकास परियोजनाएं शुरू हुई हैं। सड़कें, परिवहन सुविधाएं, पर्यटन और धार्मिक गतिविधियों से जुड़ा बुनियादी ढांचा राजनीतिक विमर्श का प्रमुख हिस्सा बना है। भारतीय जनता पार्टी के लिए अयोध्या धार्मिक आस्था और विकास के दावों को प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण केंद्र रही है। लेकिन वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में फैजाबाद सीट पर समाजवादी पार्टी के अवधेश प्रसाद की जीत ने यह स्पष्ट किया कि धार्मिक महत्व और चुनावी परिणामों के बीच सीधा तथा सुनिश्चित संबंध मान लेना उचित नहीं है। अयोध्या विधानसभा क्षेत्र में भाजपा को बढ़त जरूर मिली थी, लेकिन फैजाबाद लोकसभा सीट का परिणाम विपक्ष के लिए राजनीतिक उत्साह का कारण बना।

- सौरभ वाष्णेय

तमाम ऐसे इस्लामिक...

डा .रमेश ठाकुर

दूसरों का हक़ छीनने जैसा है भोजन की बर्बादी ?



भोजन मूलभूत आवश्यकताओं के अलावा, प्रत्येक इंसान का बुनियादी अधिकार भी है। भोजन अनमोल है जिसका सम्मान करना सभी का कर्तव्य है। आज 'विश्व खाद दिवस' है जो सालाना 16 अक्टूबर को पूरे संसार में इस मकसद से मनाया जाता है कि अन्न की बर्बादी को रोकने के लिए जनमानस को जागरूक किया जाए। नवंबर 1979 को संयुक्त राष्ट्र के खाद एवं कृषि संगठन के 20वें सम्मेलन में खाद दिवस को मनाने का निर्णय हुआ जिसका पहली बार आयोजन वर्ष 1981 में हुआ। दुनिया में भूख से बढ़ते कुपोषण पर नियंत्रण को ध्यान में रखकर संयुक्त राष्ट्र ने वैश्विक संघों को चेताया था। ये दिवस इस बात पर ज्यादा जोर देता है कि हमें थाली में उतना ही भोजन परोसना चाहिए, जितने की पेट को जरूरत हो। ज्यादा भोजन लेंगे तो निश्चित रूप से बर्बाद ही होगा। फूड इंडेक्स पर यूएनईपी-2024 की रिपोर्ट के मुताबिक हिंदुस्तान में सालाना करीब 7.8 करोड़ टन भोजन बर्बाद होता है जिसका औसत लगभग 21.4 करोड़ किलोग्राम प्रतिदिन आंका गया। विश्व खाद दिवस-2025 की थीम थी 'बेहतर भोजन और बेहतर भविष्य साथ-साथ' जो एग्रीफूड सिस्टम को बदलने में वैश्विक सहयोग की शक्ति को उजागर करती है।भोजन बर्बादी की समस्या संसार में बड़ी आफत के रूप में उभरी है। ऐसे तमाम मुल्क हैं जहां अन्न का उत्पादन शून्य है और दूसरे देशों के उत्पाद-भोजन पर ही निर्भर हैं, बावजूद इसके बेहताशा भोजन बर्बाद करते हैं। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण की 'फूडवेस्टाइज इंडेक्स रिपोर्ट-2026' सामने आई जिसमें दुनिया भर में 1.05 अरब टन भोजन बर्बाद होता बताया गया जिससे नई किस्म की न सिर्फ बीमारियां-वायरस फैले, बल्कि पर्यावरण भी दूषित हुआ। भारत में पिछले 10 वर्षों में अन्न उत्पादन 90 मिलियन मीट्रिक टन पिछले एक दशक से ज्यादा हुआ है। धरती पर मात्र भारत ही एक ऐसा मुल्क है जो करीब 76 देशों को विभिन्न किस्म का अन्न सप्लाई करता है जिसमें चीनी, दालें, चावल, मखाने, सरसों और सब्जियां प्रमुख रूप से शामिल हैं।

तमाम ऐसे इस्लामिक देश हैं जो भारत में उत्पादित बासमती चावल ही पसंद करते हैं। ईरान-ईराक में चावल की सप्लाई सिर्फ भारत से ही होती है। अन्न निर्यात के लिहाज से भारत विश्व का बड़ा बाजार बनकर इस समय उभरा है। संसार में भारत दूध और बाजरे के निर्माण में नंबर वन पायदान है। वर्ष 2014 के बाद से हिंदुस्तान शहद, अंडे, मछलियां और फल-सब्जियों के उत्पादन में दूसरे स्थान पर काबिज हुआ है। जबकि, कभी चौथे स्थान पर हुआ करता था। भूखे सोना विकसित संसार के माथे पर कलंक जैसा है। भूख के आंकड़े आज भी डरावने हैं। संसार का एक बड़ा इंसानी हिस्सा अभी भी रात में भूखे पेट सोता है। जबकि, रोजाना जितनी भोजन की बर्बादी होती है, थालियों में खाने को व्यर्थ करके लोग फेंक देते हैं, अगर ऐसा ना किया जाए, तो भूखे सोने वालों के आंकड़ों में कमी लाई जा सकती है। भोजन की बर्बादी से न केवल अन्न और धन का नुकसान होता है, बल्कि पानी,बिजली और अन्नदाताओं की सालाना मेहनत भी बेकार होती है। इससे पर्यावरण पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। भूख से निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर सभी देशों को चेताना होगा। भूख और अन्न बर्बादी के नियंत्रण पर भारत जैसी पहल अन्य देशों को भी करनी होगी। राष्ट्रीय खाद सुरक्षा अधिनियम-2013 से प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, पीएम पोषण योजना, अंत्योदय अन्न योजना, राइस फोर्टिफिकेशन और प्राइस स्अेबिलाइजेशन फंड जैसी प्रमुख पहले भारत की खाद और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ कर रही हैं। भारत में 80 करोड़ लोग मुफत अन्न वितरण योजना के लाभार्थी हैं, इसलिए सरकार का प्रयास है कि कोई भी व्यक्ति भूखे पेट नहीं सोए। लेकिन भोजन की बर्बादी भारत में भी कम नहीं है। आंकड़े इस समस्या के गवाह हैं। विश्व खाद दिवस संयुक्त राष्ट्र के खाद एवं कृषि संगठन की स्थापना का प्रतीक है जिसे पहली बार औपचारिक रूप से 1981 में 'भोजन सर्वप्रथम' विषय वस्तु के साथ मनाया गया था। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1984 में इस दिवस को मान्यता दी जिसके बाद एक साथ 150 देशों का समूह बना, जो सामूहिक प्रयासों से भूख और अन्न बर्बादी से लड़ाई लड़ रहे हैं। हालांकि, सफलता उतनी नहीं मिली, जितनी उम्मीदें लगाई गईं थीं। बहरहाल, आज का दिन खाद सुरक्षा, पोषण टिकाउ, कृषि पद्धतियों के विषय में ना सिर्फ जागरूक करता है, बल्कि सुरक्षित, पर्याप्त और पौष्टिक भोजन की उपलब्धता में आने वाली चुनौतियों से लड़ने की सीख भी देता है।

प्रदेश में बढ़ती...

प्रवीण मालवीय

योगी सरकार में ऊर्जा क्षेत्र ने लिखी विकास की नई कहानी, मजबूत हुआ बिजली तंत्र

मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने पिछले साढ़े नौ वर्षों में ऊर्जा क्षेत्र में व्यापक बदलाव करते हुए विद्युत उत्पादन, पारेषण, वितरण और उपभोक्ता सेवाओं के क्षेत्र में आधुनिक, मजबूत और तकनीक आधारित ऊर्जा तंत्र विकसित किया है। प्रदेश सरकार की प्राथमिकता हर घर को पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराने के साथ-साथ किसानों, उद्योगों, व्यापारियों और आम उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत सेवाएं उपलब्ध कराना प्रमुख रहा है। इसी का परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश की बिजली व्यवस्था पूर्व की सरकार की तुलना में अधिक सुदृढ़, पारदर्शी और उपभोक्ता केंद्रित हुई है। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के मार्गदर्शन में प्रदेश में विद्युत पारेषण नेटवर्क का बड़े स्तर पर विस्तार किया गया है। वर्तमान में प्रदेश में 60,858 सर्किट किलोमीटर पारेषण लाइनें स्थापित हैं। इसके साथ ही 765 नए विद्युत उपकेंद्र स्थापित किए गए हैं, जिनकी कुल क्षमता 2,05,632 एमवीए है। प्रदेश में 765 केवी के सात 400 केवी के 45, 220 केवी के 173 तथा 132 केवी के 490 उपकेंद्रों का विस्तार किया गया है। इससे प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में बिजली की उपलब्धता और आपूर्ति व्यवस्था को मजबूती मिली है। वर्तमान में प्रदेश में बिजली की 99.30 प्रतिशत उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने विद्युत वितरण व्यवस्था को मजबूत करने के लिए भी बड़े पैमाने पर कार्य किए हैं। 60 नए 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र स्थापित किए गए हैं तथा 1,109 विद्युत उपकेंद्रों की क्षमता में वृद्धि की गई है। वर्ष 2024-25 में ही 28 नए 33/11 केवी उपकेंद्रों का निर्माण और 576 उपकेंद्रों की क्षमता वृद्धि का कार्य पूरा किया गया। इसके साथ ही लगभग 2 लाख ट्रांसमिशन टावर तथा 2,100 ट्रांसफॉर्मर से जुड़ी क्षमता वृद्धि के कार्यों ने बिजली आपूर्ति के नेटवर्क को और मजबूत किया गया है। पारेषण हानियों को घटाकर 3.2 प्रतिशत तक लाना भी ऊर्जा क्षेत्र में किए गए सुधारों की महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

प्रदेश में बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने की क्षमता भी लगातार मजबूत हुई है। 31,486 मेगावाट की पीक डिमांड की सफलतापूर्वक पूर्ति प्रदेश के सुदृढ़ ऊर्जा तंत्र और बेहतर प्रबंधन को दर्शाती है। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में सरकार ने यह सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया है कि प्रदेश के विकास के साथ बिजली की मांग बढ़ने पर विद्युत अवसंरचना भी उसी गति से विकसित हो। कृषि क्षेत्र को पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराने के लिए भी सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजना के अंतर्गत वर्ष 2025 तक 2.42 लाख निजी नलकूपों का ऊर्जीकरण किया गया। वहीं प्रधानमंत्री कुसुम योजना के अंतर्गत 96,128 से अधिक किसानों को सोलर पंप उपलब्ध कराए गए हैं। इससे किसानों को सिंचाई की सुविधा मिलने के साथ स्वच्छ ऊर्जा को भी बढ़ावा मिला है। कृषि क्षेत्र में ऊर्जा की उपलब्धता को मजबूत करने से किसानों की उत्पादकता और आय बढ़ाने की दिशा में भी सकारात्मक आधार तैयार हुआ है।

जरा हटके

उपभोक्ताओं पर ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

पीएम सूर्य घर योजना से जनपद बरेली में बढ़ रही ऊर्जा आत्मनिर्भरता

जनपद बरेली में केंद्र एवं प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी 'पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना' स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार और घरेलू उपभोक्ताओं को आर्थिक राहत प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। परंपरागत विद्युत ग्रिड पर निर्भरता कम करते हुए आवासीय छतों को सौर ऊर्जा से आच्छादित करने की इस योजना ने जनपद में ऊर्जा आत्मनिर्भरता का मार्ग प्रशस्त किया है। योजना के अंतर्गत आमजन को हर माह 300 यूनिट तक निःशुल्क सौर बिजली उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित है, जिससे आवासीय भवन अब विकेंद्रीकृत विद्युत उत्पादन के सशक्त केंद्र बनकर उभर रहे हैं। जिला प्रशासन तथा विद्युत वितरण निगम के समन्वित प्रयासों से जनपद के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सौर ऊर्जा अपनाने के प्रति नागरिकों में निरंतर रुचि बढ़ रही है। जनपद बरेली के हरुनगला निवासी मोहित यादव इस योजना के व्यावहारिक एवं प्रभावी क्रियान्वयन का प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। उन्होंने योजना की पात्रता और तकनीकी शर्तों के अनुरूप अपने आवास की छत पर ऑन-ग्रिड सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित कराया। सौर संयंत्र की स्थापना के उपरांत उनके दैनिक घरेलू उपभोग का अधिकांश हिस्सा सीधे सौर ऊर्जा से उत्पादित होने लगा। इसके परिणामस्वरूप उनके मासिक बिजली बिल में अभूतपूर्व गिरावट आ गई। पूर्व में पारिवारिक बजट का बड़ा हिस्सा बनने वाला विद्युत बिल अब सिमटकर लगभग सिर्फ न्यूनतम मीटर चार्ज तक रह गया है, जिससे उनके परिवार को सीधी और नियमित आर्थिक बचत का लाभ मिल रहा है।

उपभोक्ताओं पर प्रारंभिक वित्तीय बोझ को न्यूनतम करने के उद्देश्य से सरकार द्वारा एक पारदर्शी एवं सुदृढ़ अनुदान संरचना लागू की गई है। संयंत्र की स्थापना पर केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (यूपीनेडा) द्वारा प्रदान की जाने वाली दोहरी सब्सिडी का पूर्ण लाभ लाभार्थियों को मिल रहा है। संयुक्त अनुदान सीधे डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ अंतरण) के माध्यम से बैंक खाते में अंतरित होने से मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए सौर संयंत्र स्थापित करना अत्यंत सुगम हो गया है। योजना की तकनीकी कार्यप्रणाली बायो-डायरेक्शनल नेट-मीटरिंग व्यवस्था पर संचालित होती है, जो सामान्य विद्युत उपभोक्ता को एक सजग ऊर्जा उत्पादक के रूप में परिवर्तित करती है। दिन के समय जब सौर विकिरण पर्याप्त होता है, तब रूफटॉप सोलर पैनलों द्वारा उत्पादित अतिरिक्त बिजली स्थानीय विद्युत वितरण ग्रिड में स्वतः निर्यात हो जाती है। रात्रि अथवा कम धूप के समय उपभोक्ता ग्रिड से आवश्यकतानुसार बिजली प्राप्त करता है। माह के अंत में वितरण निगम द्वारा कुल आयातित और ग्रिड को निर्यात की गई विद्युत इकाइयों का विधिवत समायोजन (नेटिंग) किया जाता है। उपभोग से अधिक उत्पादित बिजली का क्रेडिट सुरक्षित रहने से मासिक बिल स्वतः न्यूनतम स्तर पर स्थिर हो जाता है। इस योजना की संपूर्ण प्रक्रिया को राष्ट्रीय सौर पोर्टल के माध्यम से डिजिटल, पारदर्शी एवं सरल बनाया गया है। इसमें किसी भी स्तर पर बिचौलियों की कोई भूमिका नहीं है। उपभोक्ता पोर्टल पर सीधे पंजीकरण कर अपने स्वीकृत विद्युत भार के अनुसार संयंत्र क्षमता का चयन कर सकते हैं। तकनीकी व्यवहार्यता की स्वीकृति के उपरांत यूपीनेडा और विद्युत वितरण निगम द्वारा पंजीकृत अधिकृत वेंडरों के माध्यम से संयंत्र की स्थापना कराई जाती है। स्थापना के पश्चात तकनीकी निरीक्षण और नेट मीटरिंग की औपचारिकताएं पूर्ण होते ही निर्धारित सब्सिडी सीधे लाभार्थी के आधार-लिंक बैंक खाते में जमा हो जाती है।

जनपद बरेली में इस योजना को जन-जन तक पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा निरंतर जागरूकता और सुगमता अभियान संचालित किए जा रहे हैं। जनपद के प्रमुख नागरिक केंद्रों, विकास खंडों और नगर निकायों में शिविर आयोजित कर नागरिकों को तकनीकी जानकारी, वेंडर चयन और ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया से अवगत कराया जा रहा है। इसके साथ ही, जिन उपभोक्ताओं को संयंत्र स्थापना हेतु प्रारंभिक पूंजी की आवश्यकता होती है, उन्हें प्राथमिकता क्षेत्र ऋण व्यवस्था के तहत कम ब्याज दर पर बैंकों से आसान और संपार्श्विक-मुक्त (कोलेटरल-फ्री) ऋण उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी जिला स्तर पर सुनिश्चित की गई है। आर्थिक दृष्टि से यह योजना परिवारों के लिए एक ठोस और सुरक्षित दीर्घकालिक पूंजीगत निवेश सिद्ध हो रही है। एक मानक सोलर रूफटॉप प्रणाली की कार्यशील आयु लगभग 25 वर्ष होती है, जबकि संयंत्र पर हुआ वास्तविक पूंजीगत व्यय अगले तीन से चार वर्षों के भीतर बिजली बिलों की बचत के रूप में पूरी तरह वसूल हो जाता है। इसके पश्चात आगामी दो दशकों से भी अधिक समय तक उपभोक्ताओं को नाममात्र के रखरखाव पर लगभग निःशुल्क विद्युत का निरंतर लाभ मिलता रहता है। मोहित यादव जैसे लाभार्थियों का अनुभव दर्शाता है कि यह योजना पारिवारिक बचत को बढ़ाकर घरेलू जीवन स्तर को सुदृढ़ आधार प्रदान करती है।

पारिस्थितिकी और पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिकोण से रूफटॉप सोलर प्रणाली कार्बन उत्सर्जन को घटाने की दिशा में अत्यंत प्रभावी साधन है। जीवाश्म ईंधन आधारित पारंपरिक ताप विद्युत उत्पादन के विपरीत सौर ऊर्जा पूर्णतः प्रदूषण-मुक्त और नवीकरणीय है। जनपद बरेली में घरों की छतों पर सौर संयंत्र लगने से न केवल स्थानीय स्तर पर कार्बन फुटप्रिंट में प्रभावी कमी आ रही है, बल्कि यह पहल राष्ट्रीय स्तर पर 'नेट जीरो' उत्सर्जन के संकल्प और सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में भी ठोस योगदान दे रही है।

हरुनगला निवासी मोहित यादव जैसे लाभार्थियों के सकारात्मक अनुभव जनपद के अन्य नागरिकों को भी सौर ऊर्जा अपनाने के लिए निरंतर प्रेरित कर रहे हैं। स्वच्छ पर्यावरण में व्यक्तिगत सहभागिता सुनिश्चित करने और मासिक घरेलू बजट को बिजली के भारी खर्च से मुक्त रखने की यह व्यवस्था जनपदवासियों के बीच तेजी से स्वीकार्य हो रही है। केंद्र सरकार, प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन के समन्वित प्रयासों से संचालित यह योजना जनपद बरेली को हरित और ऊर्जा-आत्मनिर्भर जनपद के रूप में स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही है।

नाम- जननीति भारत रखा, मिर्जापुर सदर से चुनाव लड़ेंगी, दिव्या मित्तल ने कहा- 'जननीति भारत' में राज आपका होगा

पूर्व आईएएस दिव्या मित्तल ने नई राजनीतिक पार्टी बनाई

ऐलान

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । यूपी की पूर्व IAS दिव्या मित्तल ने अपनी पार्टी बनाने का ऐलान किया है। पार्टी का नाम 'जननीति भारत' रखा है। गुरुवार दोपहर एक बजे फेसबुक पर वीडियो पोस्ट करके उन्होंने बताया कि वह 2027 के विधानसभा चुनाव में मिर्जापुर जिले की सदर सीट से चुनावी मैदान में उतरेंगी।

दिव्या मित्तल ने कहा-'जननीति भारत' में राज आपका होगा। जननीति भारत 2027 उत्तर प्रदेश का चुनाव लड़ेगी। 5 साल सरकार आपके हिसाब से चलेगी।

30 सितंबर को दिव्या मित्तल ने राजनीति में एंट्री का ऐलान किया था। कहा था- यूपी में ही रहूंगी। डरूंगी नहीं, सवाल करूंगी। किसी पार्टी के साथ नहीं जुड़ूंगी। अकेले चलूंगी। मेरा मकसद राजनेता बदलना नहीं, बल्कि पूरी राजनीति बदलना है। मुझे पैसा और बाहुबल नहीं चाहिए।



पूर्व IAS दिव्या मित्तल ने बुधवार को वीडियो जारी करके अपनी पार्टी बनाने का ऐलान किया।

2013 बैच की IAS रहीं दिव्या ने 30 अगस्त को इस्तीफा दिया था। उस समय वह राजस्व विभाग में विशेष सचिव थीं। 14 सितंबर को उनका इस्तीफा मंजूर हो गया। दिव्या ने IIT दिल्ली से बीटेक और IIM बेंगलुरु से MBA करने के बाद लंदन में लाखों के पैकेज वाली नौकरी की थी।

दूसरी नीति न्याय, वहां जहां सुनवाई सबकी हो। जनता को न्याय कहां मिलना चाहिए, यह जनता से पूछिए, नीति कैसे बनती है, ये जनता से पूछिए। मां एक रोटी कम खाती है, लेकिन बच्चे का पेट भरती है। पिता अपने खर्च कम करता है, लेकिन बच्चे को स्कूल भेजता है, यह है सोच। हमारी नीति में यही सोच दिखेगी।

'जननीति भारत' का पहला वचन- जन से नीति, नीति से भारत

दिव्या मित्तल ने कहा- मैं अपनी पार्टी बना रही हूं। आप पूछेंगे कि पार्टियों की कमी है क्या। कमी पार्टियों की नहीं है सुनवाई की है। गंगा के सामने खड़ी हूं, गंगाजी में सब बूंदें बराबर होती हैं। रास्ता सब मिलकर तय करती हैं। ऐसी ही पार्टी बनानी है, जिसमें हर व्यक्ति एक बूंद हो और हर बूंद का काम। ऐसी ही सोच से निकली पार्टी का नाम है 'जननीति भारत'। 'जननीति भारत' के तीन वचन हैं- देश की नीतियों के केंद्र में लोग होंगे और लोग ही नीतियां तय करेंगे। याद होगा देवकली देवी ने घर में पानी नहीं होने के बाद भी मुझसे स्कूल मांगा था, मेरे वीडियो के बाद स्कूल का काम शुरू हो गया। नींव डलनी शुरू हो गई, फिर पता चला कि जमीन जंगल की है, इसलिए काम रुक गया। जिस नींव पर बच्चों का भविष्य था, वह बच्चे आज भी इंतजार में हैं। प्रश्न यह है कि जब देश के सबसे बड़े उद्योगपतियों को रास्ता बनाना होता है तो जंगल 80 दिन में रास्ता देता है, लेकिन जब किसी गरीब के लिए स्कूल, रास्ता या कारखाना लगना होता है तो वह फाइल 80 सालों तक लटकी रहती है।



मिर्जापुर में दिव्या मित्तल पर लोगों ने फूल बरसाए थे। उन्होंने भी लोगों पर फूल बरसाए थे।

एलडीए के रजिस्ट्री कैंप का आज अंतिम दिन

दो दिन में 200 संपत्तियों की रजिस्ट्री

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) में संपत्तियों की रजिस्ट्री के लिए लगाए गए विशेष शिविर में दो दिन में 200 आवंटियों ने रजिस्ट्री कराई। पहले दिन 13 अक्टूबर को 107 और दूसरे दिन 14 अक्टूबर को 93 आवंटियों की संपत्तियों का निबंधन हुआ।

यह शिविर आवंटियों की सुविधा के लिए लगाया गया है, ताकि उन्हें रजिस्ट्री कराने के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। आज, 15 अक्टूबर को शिविर का आखिरी दिन है। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार की पहल पर प्राधिकरण भवन के कमेटी हॉल में 13 से 15 अक्टूबर तक विशेष निबंधन शिविर लगाया गया है। यहां एलडीए के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ निबंधन विभाग की टीम भी मौजूद है। शिविर में आवंटियों की फाइल तैयार करने से लेकर रजिस्ट्री कराने तक की प्रक्रिया एक ही स्थान पर पूरी की जा रही है। इससे आवंटियों को भागदौड़ से राहत मिल रही है। रजिस्ट्री कराने वाले लोगों ने इस व्यवस्था की सराहना की है।



फास्ट न्यूज

लखनऊ में जमीनी विवाद में चाकू से हमला, मौत

लखनऊ । लखनऊ के बीबीडी स्थित जगपाल खेड़ा में जमीन पर कब्जे को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। 11 अक्टूबर को 50-60 लोग विवादित जमीन पर पहुंचे और बाउंड्री व गेट तोड़ने लगे। विरोध करने पर उन्होंने सतीश यादव, उनके भाई सोनू यादव और बेटे शिवम यादव पर चाकू और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में तीनों घायल हो गए।

लखनऊ नगर निगम ने पीड़ितों के लिए जारी किया नंबर

लखनऊ। लखनऊ शहर में बाढ़ जैसे हालात बने हुए 16 दिन बीत चुके हैं, लेकिन लोगों की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। बाढ़ से 5 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। सबसे ज्यादा परेशानी फैजुल्लागंज में है। यहां 50 से 60 हजार से अधिक घर आधे से ज्यादा पानी में डूबे हैं। कुछ इलाकों में पानी कम होने लगा है, लेकिन गंदगी, दूषित पेयजल और जलनिकासी की समस्या अब भी बनी हुई है। लोगों की परेशानी को देखते हुए नगर निगम ने सफाई, पेयजल और जलनिकासी से जुड़ी शिकायतों के लिए विभागवार हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं।

हत्यारोपी मॉडल श्रद्धा दुबे नेपाल में नजर आई

लखनऊ । लखनऊ के कारोबारी शिवा शर्मा हत्याकांड में फरार मॉडल श्रद्धा दुबे नेपाल में नजर आई है। जांच के दौरान पुलिस को नेपाल के महीम नगर बस स्टेशन के दो CCTV फुटेज मिले हैं, जिनमें श्रद्धा, उसकी बहन रश्मि और दोस्त आदिल दिखाई दे रहे हैं। पहले CCTV फुटेज में तीनों सड़क पार करते दिख रहे हैं, जबकि दूसरे फुटेज में वे ई-रिक्शा से जाते नजर आ रहे हैं।

भाषा विश्वविद्यालय में व्हाइट कैन डे कार्यक्रम

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के सक्षम प्रकोष्ठ एवं नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड, उत्तर प्रदेश राज्य शाखा, इंदिरा नगर, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में इंटरनेशनल व्हाइट कैन सेफ्टी डे मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य दृष्टिबाधित व्यक्तियों के अधिकारों, सम्मान, स्वतंत्र आवागमन और सामाजिक समावेशन के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

कार्यक्रम में कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि दृष्टिबाधित व्यक्तियों में अपार प्रतिभा और क्षमता होती है। उन्हें आगे बढ़ने के लिए समान अवसर उपलब्ध कराना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि श्वेत छड़ी केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि स्वतंत्रता, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। उन्होंने शिक्षकों और विद्यार्थियों से समावेशी एवं सुगम वातावरण के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड की उत्तर प्रदेश राज्य शाखा की उपाध्यक्ष सुश्री अमिता दुबे ने श्वेत छड़ी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए दृष्टिबाधित व्यक्तियों के प्रति जागरूकता, समानता और सम्मान की भावना विकसित करने पर जोर दिया।



दृष्टिबाधित व्यक्तियों के अधिकारों और सामाजिक समावेशन के प्रति जागरूकता बढ़ाना उद्देश्य

राजनाथ ने बाढ़ प्रभावितों को राहत किट दी

बोले- यहां भाषण देने नहीं आया, हम आपके साथ हैं, बताने आया, 10 हजार किट और देंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । रक्षामंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह आज गुरुवार को लखनऊ पहुंचे। उन्होंने शहर के फैजुल्लागंज इलाके में बाढ़ प्रभावित 1 हजार परिवारों को राहत सामग्री बांटी। लोगों से बात की। उनका हालचाल पूछा। मंच से कहा- यहां भाषण देने नहीं आया। हम आपके साथ है, यह बताने आया हूं। अभी 10 हजार राहत किट और बांटी जाएगी।

राजनाथ सिंह के लिए बाढ़ प्रभावित दाऊदनगर में मंच सजाया गया। मंच से कुछ दूर पहले बाढ़ के पानी तक हरी कालीन बिछाई गई थी, जहां तक रक्षामंत्री काफिले से आए। इसके बाद राहत कैंप का जायजा लिया। बाढ़ प्रभावित लोगों से मिले। उनका हालचाल पूछा। रक्षामंत्री के पहुंचने से पहले उनके रूट की सड़कों को कई पंपिंग सेट लगाकर सुखाया गया था। राजनाथ सिंह ने बताया कि आईआईएम से फैजुल्लागंज तक बंधा बनाया जाएगा। कुछ दिनों के अंदर मैं मुख्यमंत्रीजी से आग्रह करूंगा कि बंधे के शिलान्यास का काम जल्दी शुरू कर दिया जाए। निर्माण काम तेजी से हो।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यहां की स्थिति की जानकारी मैं रोज ले रहा था। विधायक नीरज बोरा ने आप लोगों के लिए सक्रिय भूमिका निभाई। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा- अभी हम लोग आ रहे थे। रक्षामंत्रीजी लगातार अधिकारियों से यहां का अपडेट ले रहे थे।



लखनऊ सांसद राजनाथ सिंह ने कहा- मैं यहां भाषण देने नहीं आया हूं। इस घड़ी में हम आपके साथ हैं, यह बताने आया हूं। मुकम्मल व्यवस्था की जा रही है। ताकि, अगर फिर कभी ऐसी बाढ़ आए तो फैजुल्लागंज को उसका सामना न करना पड़े।



10 हजार राहत पैकेट और आपके बीच आएंगे

राजनाथ सिंह ने कहा- 10 हजार राहत पैकेट और आप सबके बीच यहां पर लाए जाएंगे। जिसको आवश्यकता है, सभी को दिए जाएंगे। जिला प्रशासन पूरी तरह सजग है। हमारे सारे चिकित्सक लगे हुए हैं। जितना हम लोगों से हो सकेगा कि संकट की घड़ी में तत्पर रहेंगे। हम लोग आपके साथ खड़े हैं। यही विश्वास दिलाने के लिए आपके बीच आया हूं।

विधायक से महिला बोली- सपने में नाव आती है

राजनाथ सिंह के दाऊदनगर पहुंचने से 5 मिनट पहले स्पॉट पर बाढ़ प्रभावित शालू शुक्ला ने विधायक नीरज बोरा को घेर लिया। इस दौरान उन्होंने शिकायत की कि राहत सामग्री नहीं मिल रही है। आखिर यह पानी कब तक निकलेगा? 25 दिनों से हमारे घर में पानी भरा हुआ है। अपनी बहन के घर में रह रहे हैं। वहां कब तक रहेंगे? रात में सपने में नाव और पानी दिखता है। अभी हम घर में देखकर आए हैं। पानी नहीं निकला है।

पेस्ट बनाकर चिपकाए था, चाल देखकर शक हुआ, लखनऊ एयरपोर्ट पर पकड़ा गया

अंडरवियर में 70 लाख का सोना छिपाकर लाया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के अमौसी एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने एक यात्री के पास से करीब 70 लाख रुपए का सोना बरामद किया है। बुधवार को कस्टम अधिकारियों ने शारजाह से आए एक यात्री को लंगड़ाकर चलते हुए देखा। जब वे उससे पूछताछ करने पहुंचे, तो वह घबरा गया और गोलमोल जवाब देने लगा। अधिकारियों ने तलाशी ली तो पता चला कि यात्री ने 472.100 ग्राम सोना पेस्ट के रूप में प्लास्टिक के पैकेट में भरकर अंडरवियर के अंदर छिपा रखा था। उसने पैकेट को कमरबंद की तरह बांध रखा था, ताकि किसी को शक न हो। बरामद सोने की कीमत 70 लाख 81 हजार 500 रुपये आंकी गई है।



अधिकारियों ने सोना जब्त कर यात्री को हिरासत में ले लिया है। उसकी पहचान बिहार के गोपालगंज निवासी केदार महतो के रूप में हुई है। उससे पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि वह किसके इशारे पर सोना लखनऊ लाया और यहां किसे डिलीवरी देने वाला था। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक, शारजाह से इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई-1424 बुधवार सुबह 7:20 बजे लखनऊ पहुंची। इसके बाद कस्टम डिपार्टमेंट की टीम यात्रियों की जांच कर रही थी। इसी दौरान स्क्रीनिंग के समय केदार महतो की हरकत संदिग्ध लगी। अधिकारियों ने उसे लाइन से अलग कर दिया और दूर एक कमरे में ले गए। जहां उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके अंडरवियर की कमरबंद में छिपाकर रखी गई प्लास्टिक की पन्नी मिली। उसे खोलने पर पेस्ट के रूप में भरा सोना बरामद हुआ। पूछताछ में वह सोने के बारे में संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। उसके पास सोने से जुड़े कोई दस्तावेज भी नहीं मिले। फिर कस्टम सोना जब्त कर केदार को विभागीय मुख्यालय ले गई, जहां उससे पूछताछ की जा रही है।

अधिकारियों को आशंका है कि यात्री बिना सीमा शुल्क चुकाए सोना छिपाकर लाया था। उसके जरिए सोने की तस्करी के नेटवर्क का पता लगाने की कोशिश भी की जा रही है। फिलहाल मामले के अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।



कस्टम फ्री होना सोने की तस्करी की बड़ी वजह

खाड़ी देशों में सोने पर कस्टम ड्यूटी नहीं लगती है, जबकि भारत में मौजूदा समय 6% कस्टम ड्यूटी देना पड़ता है। ऐसे में मौजूदा रेट के हिसाब से 1 किलो सोने पर करीब 8 लाख रुपए की सीधे बचत है। अभी सोना 1,48,250 रुपए प्रति 10 ग्राम से ज्यादा चल रहा है। 1 किलो सोने पर कस्टम चार्ज करीब 8,89,500 रुपए होता है।

पति को मैसेज भेजकर महिला ने सुसाइड किया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में चिनहट के चक मल्हौरी में एक महिला ने गुरुवार को पति को मैसेज भेजकर सुसाइड कर लिया। उसने लिखा- मेरी मौत की जिम्मेदार सास है। पति ने मैसेज देखते ही फोन लगाया लेकिन पत्नी से बात नहीं हुई। इसके बाद उसने घर पर किसी को फोन कर पत्नी का हाल लेने को कहा। वह भी ऑफिस से घर पहुंचा।

अनीता कन्नौजिया (37) दो बच्चों, पति, देवर और सास के साथ रहती थी। मामले में मृतका की भाई उमंग कन्नौजिया ने आरोप लगाया कि अनीता की सास कमला और देवर मोहित ने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। बेहोश होकर गिरने की गलत सूचना दी गई। वहीं, ससुराल-वालों ने आत्महत्या करने की बात कही है। एलडीए कॉलोनी कानपुर रोड निवासी मृतका के भाई उमंग कन्नौजिया ने पुलिस को बताया कि उनकी बहन अनीता की शादी साल 2014 में राहुल कन्नौजिया से हुई थी। उनके दो बच्चे हैं।

पुलिस पूछताछ में पति राहुल ने बताया कि वह सुबह ऑफिस में था। करीब 9:45 बजे घर पर अनीता का उसकी मां से घरेलू बातों को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद अनीता ने उसे मैसेज भेजा कि 'मेरी मौत की जिम्मेदार केवल मेरी सास है।' उससे जब बात नहीं हुई तो घरवालों को फोन किया कि जाकर देखो।



लिखा- मेरी मौत की जिम्मेदार सास है दरवाजा तोड़कर फंदे से उतारा गया शव

सुविधा : दो दिन में 200 संपत्तियों की रजिस्ट्री, एक ही जगह पूरी हो रही प्रक्रिया

एलडीए के रजिस्ट्री कैंप का अंतिम दिन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) में संपत्तियों की रजिस्ट्री के लिए लगाए गए विशेष शिविर में दो दिन में 200 आवंटियों ने रजिस्ट्री कराई। पहले दिन 13 अक्टूबर को 107 और दूसरे दिन 14 अक्टूबर को 93 आवंटियों की संपत्तियों का निबंधन हुआ।

शिविर में विभिन्न अपार्टमेंट के फ्लैटों के साथ कानपुर रोड योजना, जानकीपुरम विस्तार, बसंतकुंज, शारदानगर, गोमतीन-गर और प्रधानमंत्री आवास योजना समेत अन्य योजनाओं की संपत्तियों की रजिस्ट्री की गई। विशेष रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई), आश्रयहीन और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के भवनों के आवंटियों ने शिविर में रुचि दिखाई। एलडीए के अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा के मुताबिक, प्राधिकरण की ओर से समय-समय पर विभिन्न आवासीय और व्यावसायिक संपत्तियों का आवंटन किया गया है। इनमें कई ऐसे आवंटी हैं, जिन्होंने अब तक अपने पक्ष में संपत्ति की रजिस्ट्री नहीं कराई है। ऐसे लोगों की सुविधा के लिए विशेष शिविर लगाया गया है। उप सचिव माधवेश कुमार के मुताबिक, शिविर में रजिस्ट्री के लिए कई नए आवेदन भी प्राप्त हुए हैं। इनकी फाइलें तैयार कराई जा रही हैं। वहीं, जिन आवंटियों ने अब तक रजिस्ट्री के लिए आवेदन नहीं किया है, उन्हें नोटिस भेजने की कार्रवाई की जाएगी।



यह शिविर आवंटियों की सुविधा के लिए लगाया गया है, ताकि उन्हें रजिस्ट्री कराने के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। आज, 15 अक्टूबर को शिविर का आखिरी दिन है।

एक ही पटल पर फाइल तैयार करने से रजिस्ट्री तक की सुविधा

एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार की पहल पर प्राधिकरण भवन के कमेटी हॉल में 13 से 15 अक्टूबर तक विशेष निबंधन शिविर लगाया गया है। यहां एलडीए के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ निबंधन विभाग की टीम भी मौजूद है। शिविर में आवंटियों की फाइल तैयार करने से लेकर रजिस्ट्री कराने तक की प्रक्रिया एक ही स्थान पर पूरी की जा रही है। इससे आवंटियों को भागदौड़ से राहत मिल रही है। रजिस्ट्री कराने वाले लोगों ने इस व्यवस्था की सराहना की है।

राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता आयोजित

लखनऊ । लखनऊ में भारत विकास परिषद, अवध प्रांत के तत्वावधान में दी इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), रिवर बैंक कॉलोनी में प्रांतीय स्तरीय राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में अवध प्रांत की विभिन्न शाखाओं से आए विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने लोकगीत, संस्कृत गीत और हिंदी गीतों के माध्यम से राष्ट्रप्रेम, भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष देवेन्द्र स्वरूप शुक्ला ने मंचासीन अतिथियों के परिचय के साथ किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करते हैं। प्रतियोगिता के नियमों की जानकारी प्रांतीय गतिविधि संयोजक संजीव नन्दी ने दी। मुख्य अतिथि गोपाल सिन्हा, न्यायिक सदस्य, नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा एवं वरिष्ठ रंगकर्मी रहे।

लखनऊ पुलिस ने आरोपी पति को हिरासत में लिया, 5 बच्चों की मां थी मृतका

रस्सी से गला घोंटकर पति ने पत्नी को मार डाला

तमसा संकेत, एजेंसी

मोहनलालगंज। लखनऊ में घरेलू विवाद के दौरान पति ने रस्सी से गला कसकर पत्नी की हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी शराब के नशे में था। घटना की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने फॉरेंसिक टीम की मदद से साक्ष्य जुटाए और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आरोपी पति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पूरा मामला मोहनलालगंज स्थित धनुवासांड गांव का है।

मृतका की पहचान रेखा देवी (40) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, 14 और 15 अक्टूबर की दरमियानी रात करीब 1:30 बजे हत्या की सूचना मिली थी। शुरुआती जांच में घरेलू विवाद के दौरान हत्या किए जाने की बात सामने आई है। मृतका के बेटे प्रभात के मुताबिक, घटना वाली रात उनके पिता ने शराब पी रखी थी। इसके बाद मम्मी-पापा के बीच झगड़ा हुआ। प्रभात ने बताया कि उन्होंने खुद पूरी घटना नहीं देखी, उनके छोटे भाई ने कुछ देखा था। जब मां को देखा तो वह जमीन पर पड़ी थीं। बेटे ने मां को फंदे पर लटकाए जाने की बात से इनकार करते हुए रस्सी से गला कसकर हत्या किए जाने की आशंका जताई।



पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जरूरी साक्ष्य जुटाए। मृतका के बेटे प्रभात गौतम की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया की जा रही है।

रेखा देवी के तीन बेटे और एक बेटी हैं। पुलिस आरोपी राधाकृष्ण पुत्र हरिलाल से पूछताछ कर रही है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

लिखा- फांसी पर तब तक लटकाओ, जब तक मौत न हो, महाभारत का श्लोक पढ़ा

मुस्कान-साहिल को सजा-ए-मौत लिख जज ने पेन फेंका

फैसला

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ । दोषी (मुस्कान-साहिल) की गर्दन में फांसी लगाकर तब तक लटकाया जाए, जब तक मौत न हो जाए। मेरठ जिला जज अरविंद कुमार मिश्रा ने बुधवार शाम 4.22 बजे यह फैसला सुनाया। फैसला सुनते ही कोर्ट रूम में कुर्सी पर बैठी सौरभ की मां और भाई रोने लगे। सौरभ की मां ने हाथ जोड़ते हुए कोर्ट को शुक्रिया किया। वो साड़ी के पल्लू से अपने आंसू पोंछने लगीं।

जिला जज ने महाभारत के श्लोक के हिंदी कथन को कोट करते हुए कहा- अधर्म करने वाले को सजा देना भी धर्म है। प्रजा जब सोती है, तो अदालत सजा देती है। जज ने जिस पेन से मुस्कान-साहिल के लिए मृत्युदंड लिखा, उस पेन को तुरंत



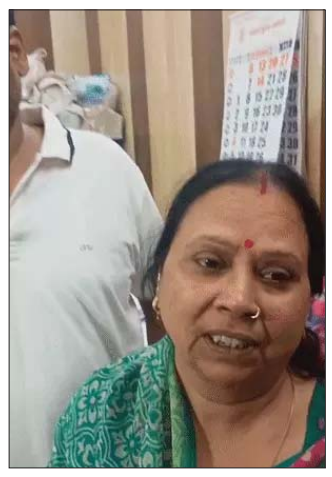
डस्टबिन में फेंक दिया। सुबह 10:30 बजे मेरठ जिला जज अरविंद कुमार मिश्रा कोर्ट रूम में आए, कुर्सी पर बैठे। पूरा कोर्ट रूम खाली था। केवल अभियोजन पक्ष के वकील डीजीसी केके चौबे, डिफेंस की वकील रेखा जैन और कुछ सीनियर वकील ही कोर्ट रूम में मौजूद थे। जेल से वीसी के जरिए ऑनलाइन मुस्कान-साहिल को कोर्ट से जोड़ा गया। मुस्कान हल्के नीले रंग की कुर्ती और काले दुपट्टे में थी। आंखें नीचे किए थी, साहिल ने सफेद टी-शर्ट पहनी थी। दोनों नजरें नीचे किए थे। धीरे से मुस्कान ने साहिल को एक झलक देखा और नजरें नीचे कर लीं। जज ने कहा- मुस्कान-साहिल तुम दोनों ने सौरभ राजपूत की हत्या की है। जज ने बारी-बारी से मुस्कान-साहिल से उनका नाम, उम्र, शिक्षा, पता और परिवार की जानकारी ली। दोनों ने अपने जवाब दिए। इसके बाद जज ने पहले मुस्कान से पूछा- तुम्हें अपनी सजा पर कुछ कहना है। मुस्कान सुबकते हुए बस यही बोली कि जेल

सजा से 20 मिनट पहले मुस्कान गोद में बच्ची को लेकर कोर्ट रूम से जुड़ी

शाम 4 बजे मेरठ जिला जज का कोर्ट रूम ऐतिहासिक नीले ड्रम हत्याकांड के फैसले को सुनने के लिए खचाखच भरा था। सौरभ की मां रेनू देवी, बड़ा भाई राहुल उर्फ बबलू भी कुर्सी पर बैठे थे। साथ ही तमाम सीनियर-जूनियर वकील भी बैठे थे। शाम 4 बजे के बाद मुस्कान-साहिल को ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जेल से कोर्ट रूम में जोड़ा गया। मुस्कान नीली कुर्ती, काला दुपट्टा पहने थी। उसकी गोद में 10 महीने की बच्ची भी थी। साहिल सफेद टी-शर्ट में था।

मुस्कान ने साहिल की तरफ देखा। उसकी आंखों में आंसू थे। साहिल ने भी आखिरी बार मुस्कान को देखा। एक-दूसरे को देखने के बाद दोनों ने नजरें नीचे कर लीं। मुस्कान बार-बार दुपट्टे से अपने आंसू पोंछ रही थी।

में मेरे साथ जो बेटी है, उसका ध्यान रखा जाए। जज ने साहिल से पूछा- साहिल शुक्ला तुम्हें अपनी सजा पर कुछ कहना है? साहिल सिर झुकाए रहा, उसने कोई जवाब नहीं दिया। इसके बाद जज ने कहा- ठीक हैं, हम आपको सजा बाद में सुनाएंगे। जज के इतना कहते ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से दोनों को हटा दिया गया। दोपहर 11.30 बजे जिला जज अरविंद कुमार मिश्रा अपनी कुर्सी पर थे। कोर्ट रूम अभी भी काफी खाली था। केवल अभियोजन के वकील डीजीसी केके चौबे, मुस्कान-साहिल का केस लड़ रहीं सरकारी वकील रेखा जैन और सौरभ के परिवार की तरफ से किए गए वकील विजय बहादुर सिंह सामने खड़े थे। साथ ही कुछ सीनियर वकील थे। जिला जज की ओर से आदेश मिला कि बहस शुरू



सौरभ की मां रेनू देवी ने कहा कि हम मुस्कान की बेटी को नहीं अपनाएंगे। न ही डीएनए टेस्ट कराएंगे।

की जाए। सबसे पहले अभियोजन के वकील डीजीसी केके चौबे ने बहस शुरू की। उन्होंने कोर्ट के सामने 35 पन्नों की बहस को सुनाया।

ऑपरेशन के दौरान महिला के पेट में तौलिया छोड़ा

कानपुर में 4 महीने बाद दोबारा सर्जरी हुई

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर में करीब 4 महीने पहले पेट दर्द से परेशान महिला का ऑपरेशन किया गया। सर्जरी के दौरान डॉक्टरों ने उसके पेट में तौलिया छोड़ दिया। ऑपरेशन के बाद उसे डिस्चार्ज कर दिया गया। कुछ दिन बाद महिला को दोबारा पेट दर्द शुरू हो गया। ऑपरेशन वाली जगह से मवाद निकलने लगा। परिवारवाले महिला को दूसरे अस्पताल ले गए। वहां ऑपरेशन किया गया, तो तौलिया फंसा मिला। डॉक्टरों ने तौलिया बाहर निकाला। महिला के पति ने मामले की शिकायत मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर की है। साथ ही कल्याणपुर थाना में भी शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है।

कानपुर देहात में रहने वाला वीरेंद्र कुमार खेती करता है। करीब 4 महीने पहले उसकी पत्नी सोनी



(24) को पेट में तेज दर्द हुआ। घरवालों ने उसे मकसूदाबाद स्थित ओमशांति हॉस्पिटल में भर्ती कराया। जांच के दौरान डॉक्टरों ने बच्चेदानी की ट्यूब फटने और पेट में खून जमा होने की बात बताई। महिला का ऑपरेशन करने की सलाह दी गई। वीरेंद्र ने बताया- हॉस्पिटल के मालिक अजय ने 10 जून को सोनी का ऑपरेशन कल्याणपुर स्थित विश्वास हॉस्पिटल में कराया। इसके बाद सोनी को ओमशांति हॉस्पिटल लाया गया। कुछ दिन बाद वहां से उसे डिस्चार्ज कर दिया गया। ऑपरेशन के नाम पर हमसे करीब डेढ़ लाख रुपए लिए गए थे।

फास्ट न्यूज

कानपुर को मिली इन बड़े प्रोजेक्ट की सौगात

कानपुर । कानपुर में सड़क कनेक्टिविटी बेहतर करने के लिए कई बड़े विकास प्रोजेक्ट को मंजूरी मिल गई है। लखनऊ में हुई व्यय वित्त समिति की बैठक में इन प्रस्तावों को वित्तीय स्वीकृति दी गई। केडीए अधिकारियों की ओर से रखे गए प्रस्तावों में आउटर रिंग रोड से एयरपोर्ट को जोड़ने, जरीब चौकी से घंटाघर तक सड़क चौड़ी करने का प्रस्ताव रखा गया है।

कानपुर में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम

कानपुर। कानपुर के अर्मापुर पीजी कॉलेज में मिशन शक्ति 6.0 के तहत उत्तर प्रदेश पुलिस की ओर से साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ रक्षित टंडन ने विद्यार्थियों को साइबर अपराध, ऑनलाइन धोखाधड़ी और सोशल मीडिया सुरक्षा के बारे में जानकारी दी। उन्होंने डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रहने के लिए व्यावहारिक सुझाव भी दिए। कार्यक्रम के माध्यम से साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और सुरक्षित डिजिटल वातावरण को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया गया।

आगरा में 5 मकानों पर चला बुलडोजर

आगरा । आगरा के यमुनापार स्थित नुनिहाई में नगर निगम ने बुधवार को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। रतनपुरा वार्ड में खत्ताघर की जमीन पर बने पांच मकानों को बुलडोजर से गिरा दिया गया। कार्रवाई के दौरान महिलाओं ने विरोध किया। हालांकि, पुलिस बल और टास्क फोर्स की मौजूदगी में अभियान जारी रहा। टीम के पहुंचने से पहले मकानों से सामान बाहर निकाल लिया गया था।

कस्टमर की धोखाधड़ी से परेशान बैंक मैनेजर ने सुसाइड किया

पत्नी को मैसेज किया, लिखा- नितिन ने सब किया

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर में बंधन बैंक के मैनेजर ने फंदे से लटककर जान दे दी। सुसाइड करने पहले 34 साल के मैनेजर अनुराग बाजपेई ने अपनी पत्नी को व्हाट्सएप पर आखिरी मैसेज भेजा। लिखा- मेरे कोई गलती नहीं है, ग्राहक नितिन गौर ने सब किया है। मामला 7 अक्टूबर से चल रहा है। इसके बाद पत्नी ने मैनेजर अनुराग बाजपेई को कई बार कॉल किया, लेकिन रिसीव नहीं हुआ। पत्नी की सूचना पर पुलिस और फोरेंसिक टीम ने कमरे का दरवाजा खुलवाया गया। वहां पर पंखे से अनुराग का शव लटका मिला।

पुलिस को कमरे से एक सुसाइड नोट और एसीपी बाबूपुरवा को दिया गया प्रार्थना-पत्र भी मिला है। पुलिस के मुताबिक, बैंक में गोल्ड लोन विभाग के मैनेजर थे। वह अनुराग ग्राहक से जुड़े मामले को लेकर परेशान थे। पुलिस ने शव को



पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और सुसाइड नोट समेत अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच की जा रही है। मामला गोविंद नगर थाना क्षेत्र की है। अनुराग बाजपेई मूल रूप से उन्नाव जिले के बांगरमऊ के रहने वाले थे। वह गोविंद नगर स्थित बंधन बैंक की शाखा में गोल्ड लोन विभाग के मैनेजर के रूप में काम कर रहे थे। पिछले दो साल से किदवई नगर के एम ब्लॉक में शैलजा के मकान में किराये पर अकेले रह रहे थे। परिवार में पत्नी दिव्या और तीन बच्चे वैभव, मृत्युंजय तथा ढाई साल की बेटी देविका हैं।

बीजेपी प्रत्याशी राणा समरेंद्र सिंह 2483 वोट से जीते, कहा- यह जीत मां को समर्पित, जश्न शुरू

बिठूर नगर पंचायत उपचुनाव में भाजपा की जीत

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर की बिठूर नगर पंचायत के चेयरमैन पद के उपचुनाव में भाजपा को जीत मिली है। भाजपा प्रत्याशी राणा समरेंद्र सिंह 2483 वोट से चुनाव जीत गए हैं। उन्हें कुल 4210 वोट मिले। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी निर्दलीय आदर्श द्विवेदी उर्फ विभु को हराया। आदर्श 1727 वोट के साथ उपविजेता रहे। कांग्रेस के प्रदीप द्विवेदी को सिर्फ 56 वोट ही मिले।

भाजपा उम्मीदवार की जीत के बाद उनके समर्थकों व पार्टी कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाना शुरू कर दिया। ढोल बजाकर खुशी का इजहार किया। चुनाव जीते राणा समरेंद्र सिंह ने इसे जनता की जीत बताया। समर्थकों ने कहा यह जीत पूर्व चेयरमैन और भाजपा उम्मीदवार की स्व. मां डॉ. निर्मला सिंह को समर्पित है। उपचुनाव 13 अक्टूबर



बिठूर नगर पंचायत के उपचुनाव में जीत के बाद भाजपा उम्मीदवार अपने बड़े भाई विधायक राणा अभिजीत सिंह के साथ।

को हुआ था। वोटों की गिनती आज गुरुवार सुबह 8 बजे से शुरू हुई। भाजपा उम्मीदवार ने पहले राउंड की गिनती से ही बढ़त बनानी शुरू कर दी। उनकी बढ़त हर राउंड की गिनती के बाद बढ़ती रही। पहले राउंड की गिनती के बाद से ही वह निर्णायक बढ़त ले चुके थे। नगर पंचायत भवन में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 10 वार्डों के मतपत्रों की गिनती की गई। भाजपा से राणा समरेंद्र सिंह, कांग्रेस से प्रदीप द्विवेदी और निर्दलीय आदर्श द्विवेदी चुनाव मैदान में थे। बिठूर नगर

नवनिर्वाचित चेयरमैन को उनकी बहन ने टीका लगाया, मिठाई खिलाई

बिठूर नगर पंचायत का उपचुनाव जीत कर चेयरमैन बने राणा समरेंद्र सिंह और विधायक अभिजीत सिंह की इकलौती बहन अमृता सिंह उर्फ प्रिन्सी ने भाई समरेंद्र की जीत के बाद जीत का टीका लगाया और मिठाई खिलाई।

> बिठूर नगर पंचायत उपचुनाव में मिली जीत के बाद चाची अर्जिता सिंह ने राणा समरेंद्र सिंह ने घर पहुंचने पर आरती उतारी। उन्हें लड्डू खिलाया। समरेंद्र सिंह ने उनके पैर छूकर आशीर्वाद लिया।



पंचायत के उपचुनाव में भाजपा की जीत पर समर्थकों ने खुशी जताई। कहा कि माता जी के आशीर्वाद से जीत मिली है। ये जीत माता जी स्व. डॉ. निर्मला सिंह को समर्पित है। बिठूर की जनता की सेवा लगातार उन्होंने 25 साल तक उन्होंने सेवा की और लगातार यह परिवार राणा भैया और संग भैया सेवा करता रहेगा। बिठूर की जनता और परिवार उनके साथ है।

पत्नी बोली- पुलिस के सामने मारा, मौत के बदले मौत चाहिए, 4 घंटे तक उनके घरवालों ने कार्रवाई को लेकर हंगामा किया

वकील की गोली मारकर हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । प्रयागराज में 52 साल के वकील की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पेट में गोली लगते ही वह खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़े। उन्हें SRN अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

पत्नी वर्षा ने बताया कि पुलिस के सामने मेरे पति सतीश श्रीवास्तव को गोली मारी गई है। आरोपियों का एनकाउंटर होना चाहिए। मुझे खून का बदला खून और मौत का बदला मौत चाहिए। वहीं, वकील की हत्या के बाद 4 घंटे तक उनके घरवालों ने कार्रवाई को लेकर हंगामा किया।

डीसीपी सिटी सागर जैन के आश्वासन के बाद घरवाले शांत हुए और शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी देवेंद्र नाथ भी वकील है। हमलावरों का एक सीसीटीवी भी सामने आया है। इसमें सभी मुंह बांधे हुए जाते



दिख रहे हैं। घटना कर्नलगंज थाना क्षेत्र की गुरुवार सुबह 12 बजे की है। पत्नी ने बताया- इसके बाद अमरेंद्रनाथ ने रिवॉल्वर निकाल ली। उसने मेरे पति के पेट में गोली मार दी। चौकी इंचार्ज विनय यादव ने भी मेरे पति के साथ मारपीट की। मैं चाहती हूं कि आरोपियों पर एफआईआर हो, उनका एनकाउंटर किया जाए। वर्षा ने बताया- जमीन हमारी है। सभी कागज मेरे पास हैं। देवेंद्रनाथ ने कहा था कि मुझे गाड़ी खड़ी करने के लिए जगह दे दो। 50 साल का दोस्ताना था, इसलिए मेरे पति ने उसे गाड़ी खड़ी करने की परमिशन दे दी। 2 साल तक वह गाड़ी खड़ी करता रहा। इसके बाद देवेंद्रनाथ ने जमीन पर कब्जा करना शुरू कर दिया। झगड़ा बढ़ा, तो हम लोग पुलिस और कोर्ट गए। मुझे क्या पता था कि यह बिच्छू बन जाएगा?

वकील, उनकी पत्नी और बेटियां कॉलेज में थे

सलोरी में रहने वाले सतीश कुमार श्रीवास्तव के परिवार में पत्नी वर्षा, 2 बेटियां वैष्णवी और वैशाली हैं। घर से करीब 200 मीटर दूर ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज में सतीश कुमार श्रीवास्तव लैब अटेंडेंट थे। पत्नी वर्षा इंटर कॉलेज में पढ़ाती हैं। बेटी वैशाली भी प्राइवेट कॉलेज में टीचर है।

वर्षा श्रीवास्तव ने बताया- देवेंद्रनाथ मिश्रा पिछले एक साल से हमारी जमीन पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा है। इस मामले में हमने सीएम योगी, डीसीपी और एसीपी समेत कई अधिकारियों को प्रार्थना पत्र भी दिया था।

10 दिसंबर को मेरी बेटी के साथ भी उन लोगों ने घटना की थी। हम गोरखपुर गए थे और योगीजी से मिले थे। उन्होंने हमें सांत्वना दी थी और कार्रवाई का भरोसा दिलाया था।



पत्नी बोलीं- हमलावर घर में घुसकर तोड़फोड़ कर रहे थे

आज मेरे पति, मैं और मेरी बेटियां कॉलेज में थे। घर पर ताला लगा था। दोपहर करीब 12 बजे मेरे पति का मेरे पास फोन आया। उन्होंने कहा कि सलोरी वाले मकान में देवेंद्रनाथ मिश्रा कई लोगों को लेकर घुस गया है। जल्दी पहुंचो, हम भी पहुंच रहे हैं। हम लोग दौड़ते हुए अपने घर पहुंचे। हमने देखा कि करीब 20 लोगों के साथ देवेंद्रनाथ हमारे मकान में तोड़फोड़ कर रहा है। घर के पीछे प्लॉट की बाउंड्री तोड़ दी है। हम लोगों ने विरोध किया। इस पर उसने मेरे पति को धक्का दे दिया। फिर लोहे की रॉड से उन पर हमला कर दिया। उसके साथ उसका बेटा निपेंद्रनाथ मिश्रा उर्फ बच्चू, अमरेंद्रनाथ मिश्रा उर्फ अनुपम समेत 7-8 लोग थे।

कस्टमर की धोखाधड़ी से परेशान बैंक मैनेजर ने सुसाइड किया

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में बंधन बैंक के मैनेजर ने फंदे से लटककर जान दे दी। सुसाइड करने पहले 34 साल के मैनेजर अनुराग बाजपेई ने अपनी पत्नी को व्हाट्सएप पर आखिरी मैसेज भेजा। लिखा- मेरे कोई गलती नहीं है, ग्राहक नितिन गौर ने सब किया है। मामला 7 अक्टूबर से चल रहा है। इसके बाद पत्नी ने मैनेजर अनुराग बाजपेई को कई बार कॉल किया, लेकिन रिसीव नहीं हुआ। पत्नी की सूचना पर पुलिस और फोरेंसिक टीम ने कमरे का दरवाजा खुलवाया गया। वहां पर पंखे से अनुराग का शव लटका मिला।

पुलिस को कमरे से एक सुसाइड नोट और एसीपी बाबूपुरवा को दिया गया प्रार्थना-पत्र भी मिला है। पुलिस के मुताबिक, बैंक में गोल्ड लोन विभाग के मैनेजर थे। वह अनुराग ग्राहक से जुड़े मामले को लेकर परेशान थे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और सुसाइड नोट समेत अन्य साक्ष्यों के



> कानपुर में पत्नी को मैसेज किया, लिखा- नितिन ने सब किया, मेरी कोई गलती नहीं

आधार पर जांच की जा रही है। मामला गोविंद नगर थाना क्षेत्र की है। अनुराग बाजपेई मूल रूप से उन्नाव जिले के बांगरमऊ के रहने वाले थे। वह गोविंद नगर स्थित बंधन बैंक की शाखा में गोल्ड लोन विभाग के मैनेजर के रूप में काम कर रहे थे। पिछले दो साल से किदवई नगर के एम ब्लॉक में शैलजा के मकान में किराये पर अकेले रह रहे थे। परिवार में पत्नी दिव्या और तीन बच्चे वैभव, मृत्युंजय तथा ढाई साल की बेटी देविका हैं।

पृष्ठ 01 का शेष...

17 राज्यों की वोटर...

'जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950' के तहत, चुनाव आयोग को विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने से छह महीने पहले चुनाव कराने की अनुमति होती है।

संक्षिप्त पुनरीक्षण का मुख्य ध्यान नए पात्र लोगों को जोड़ने और सामान्य सुधारों पर होता है, जबकि 'SIR' कहीं अधिक व्यापक प्रक्रिया है। इसमें पूरे राज्य में घर-घर जाकर सत्यापन करना, प्रविष्टियों की बारीकी से जांच करना और बड़े पैमाने पर डेटा का ऑडिट करना शामिल है।

उदाहरण के लिए, SSR के तहत, अगर कोई मतदाता अपना घर बदलता है, तो उसे अपना पता अपडेट करने के लिए एक फॉर्म भरना पड़ता है। लेकिन SIR में ऐसा नहीं है। एसआईआर के तहत बूथ लेवल ऑफिसर उस पते पर जाते हैं, यह पुष्टि करते हैं कि मतदाता अभी भी वहां रहता है या नहीं, और यह भी देखते हैं कि क्या कोई नया व्यक्ति पात्र हो गया है।

इस तरह, मतदाता के खुद पहल करने का इंतजार करने के बजाय, वे मौके पर जाकर सत्यापन करते हैं और मतदाता सूची को अपडेट कर देते हैं।

SIR को लेकर ही पूरा विवाद खड़ा हुआ है। विपक्षी दलों ने मतदाताओं के नाम हटाए जाने और पात्र नागरिकों के मतदाता सूची से बाहर रह जाने की संभावना पर चिंता जताई है।

वहीं चुनाव आयोग का कहना है कि इस कवायद का मकसद मतदाता सूचियों को दुरुस्त करना है। इसमें दोहरी या अयोग्य लोगों को हटाया जा रहा है, साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि सभी पात्र नागरिक सूची में शामिल रहें।

हालांकि, विपक्षी दलों ने इस प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि इस कवायद के कारण असली मतदाता अपना वोट देने का अधिकार खो सकते हैं। उन्होंने दस्तावेजों की जरूरत, सत्यापन की प्रक्रिया और कमजोर वर्गों, प्रवासी मजदूरों, बुजुर्गों और आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों, पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों को लेकर भी चिंता जताई है।

लखनऊ में पुलिस के...

प्रदर्शन में शामिल बड़ी संख्या में बॉन्डेड डॉक्टरों के हाथों में तख्तियां थीं, जिन पर 'One Bond One Salary' और 'बॉन्डेड मेडिकल अधिकारियों को न्याय दो' लिखा था। पुलिस और डॉक्टरों के बीच काफी देर तक बहस होती रही। पुलिस ने डॉक्टरों पर बिना अनुमति प्रदर्शन करने और सड़क जाम करने का आरोप लगाया।

डॉक्टरों ने कहा कि वे अपने अधिकारों के लिए लोकतांत्रिक तरीके से प्रदर्शन कर रहे हैं। डिप्टी सीएम ने समान वेतन देने का वादा किया था, लेकिन अब तक इसे पूरा नहीं किया गया। डॉक्टरों ने कहा कि वे पिछले 42 दिनों से अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे। इसके बावजूद कोई ठोस समाधान नहीं निकला है।

अखिलेश यादव का ...

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव जीतने के लिए लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर कर रही है। उनके मुताबिक, भाजपा मतदाता सूची में फर्जी वोट जुड़वाने, विरोधी दलों के वास्तविक मतदाताओं के नाम कटवाने और मतदान के दौरान मतदाताओं को डराने-धमकाने जैसे हथकंडे अपनाती है। उन्होंने ईवीएम, मतगणना और चुनाव के बाद सरकार बनाने की प्रक्रिया को लेकर भी भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए।

अखिलेश यादव ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद भी मतदाता सूची में बड़ी संख्या में कथित फर्जी वोट मौजूद हैं। उन्होंने दावा किया कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान भरे गए 87 लाख 56 हजार फॉर्म-6 में से चुनाव आयोग ने 71 लाख 38 हजार फॉर्म-6 की जानकारी सार्वजनिक की, जबकि 16 लाख 18 हजार नए मतदाताओं के फॉर्म की जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई।

उन्होंने आरोप लगाया कि पीडीए प्रहरी इन नामों की जांच कर रहे हैं और 16 लाख 18 हजार के अतिरिक्त तीन लाख अन्य संदिग्ध मतदाताओं की पहचान की गई है। अखिलेश यादव के मुताबिक, अब तक कुल 19 लाख 20 हजार 732 फर्जी वोटरों को चिह्नित किया गया है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता प्रत्येक जिले और विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची की जांच कर रहे हैं।

सपा अध्यक्ष ने कुछ विधानसभा क्षेत्रों में कथित फर्जी वोटों के आंकड़े भी सामने रखे। उन्होंने लोनी में 15,150, साहिबाबाद में 13,903, महरौनी में 12,669, दादरी में 12,556, जखनिया में 12,144, छपरौली में 11,574, मोदीनगर में 10,913, फरेंदा में 10,282 और नकुड़ में 10,272 फर्जी वोट होने का दावा किया। उन्होंने आजमगढ़ का उदाहरण देते हुए कहा कि एक ही नाम पर कई वोट होने की शिकायतें सामने आई हैं।

सुप्रीम कोर्ट तक मार्च ...

वहीं, SIR प्रक्रिया और चुनाव आयोग के फैसलों के खिलाफ इन नेताओं की याचिका पर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग से जवाब मांगा।

12 अक्टूबर के सुप्रीम कोर्ट मार्च के बाद कोर्ट परिसर में राजनीतिक प्रदर्शन रोकने के नियम बनाने, CCTV फुटेज सुरक्षित रखने और राहुल गांधी समेत नेताओं की मंशा की जांच से जुड़ी याचिका 4 वकील ने दाखिल की है।

विपक्ष की तरफ से यह याचिका चीफ जस्टिस सूर्यकांत के मिलने से इनकार के बाद दाखिल की गई थी। 11 अक्टूबर को विपक्षी सांसदों ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत को पत्र लिखा था और ज्ञापन सौंपने के लिए समय मांगा था। सीजेआई ने मना कर दिया था।

सीएम योगी ने अतीक ...

कहते हैं अरे प्रयागराज की धरती से हैं। हमारी सरकार ने माफिया को मिट्टी में मिलाने का काम किया।

सीएम योगी ने कहा- प्रयागराज में अब कोई माफिया अपराध करने का साहस करेगा तो मिट्टी में मिला दिया जाएगा। प्रयागराज में कोई माफियागिरी करने का साहस नहीं करेगा। अगर करेगा तो मिट्टी में मिलने की तैयारी कर लेगा।

सीएम योगी ने कहा- पहले यह जगह माफिया अतीक की अय्याशी का अड्डा थी। 15 बीघा की लैंब पर माफिया अतीक और उसके गुंडों ने कब्जा कर अय्याशी का अड्डा बनाया था। उससे मुक्त कराया गया। सीएम योगी ने कहा- भाजपा सरकार बनी तो हमने तय किया उत्तर प्रदेश को सुरक्षित बनाना है। सुशासन लाना है। विधि का शासन हो, हर आदमी न्याय मांगने को प्रयागराज आता है। कानून का राज स्थापित करने में अभियान चलाया। हमने माफिया मुक्त यूपी किया। इसी प्रयागराज की धरती पर विधायक राजू पाल की हत्या होती है। सरेआम गोली मार दी जाती है। माफिया को किए की सजा मिलनी चाहिए। यही परिणाम सामने है। माफिया से मुक्त भूमि पर आवास बांट रहे हैं।

हमारा ध्यान लद्दाख ...

दुर्भाग्य से ऐसी परिस्थितियों के बावजूद पहले की सरकारों ने लद्दाख के विकास को प्राथमिकता नहीं दी।

आज केंद्र के लिए यहां का विकास प्राथमिकता है। केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद यहां और भी ध्यान दिया गया है।

आज यहां 4 हजार किमी सड़कों का नेटवर्क था। पहले यहां 19 बड़े पुल थे, आज इनकी संख्या 75 है। हैलिपेड 4 से बढ़कर 40 हो गए हैं। आज यहां के 99 फीसदी घरों तक नल से जल पहुंच चुका है। लद्दाख के अस्पतालों में बेड्स की संख्या भी दोगुनी हो चुकी है।

दिल्ली में एशियन...

महिला हॉकी टीम ने गोल्ड जीतकर 44 साल का लंबा इंतजार खत्म किया। क्रिकेट में भी भारत की पुरुष और महिला टीमों ने लगातार दूसरी बार मेडल जीतकर अपना पिछला रिकॉर्ड दोहराया। कबड्डी में दोनों टीमों ने गोल्ड मेडल हासिल किए।

PM ने कहा- 'एशियन गेम्स में भारत की सफलता देश की बदलती सोच को भी दिखाती है। यह इस बात का उदाहरण है कि आज देश के युवा हर क्षेत्र में सफलता की नई ऊंचाइयों तक पहुंचना चाहते हैं।'

उन्होंने आगे कहा- 'युवाओं के दृढ़ संकल्प से बड़ी कोई चुनौती नहीं है और उनकी क्षमता से बाहर कोई लक्ष्य नहीं है।

फुलटॉस डालकर पिच को दोष न दें, कैरेबियाई पेसर की खेल भावना पर सवाल उठाए

भारत की हार पर भड़के सुनील गावस्कर

मांग

नई दिल्ली, एजेंसी

दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर चौथे टी-20 में टीम इंडिया की हार पर भड़क गए। उन्होंने कहा- 'भारत की हार की वजह खराब गेंदबाजी थी, पिच नहीं।'

गावस्कर ने कहा कि भारतीय गेंदबाजों ने कई फुलटॉस और खराब लेंथ की गेंदें डालीं। उन्होंने कहा कि गेंदबाज अपने प्लान को एक्सिक्यूट नहीं कर पाएं, तो पिच को दोष नहीं दे सकते। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी माना कि गेंदबाजी में प्लान को सही तरह लागू नहीं करना भारी पड़ा। बुधवार को भारतीय टीम को हैदराबाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ 24 रन से हार मिली।



राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम की दोबारा बिछाई गई पिच से गेंदबाजों को कुछ मदद मिली। खिलाड़ियों ने बताया कि गेंद कभी-कभी पिच पर रुककर आई और उछाल भी दिखा। हालांकि, गावस्कर का कहना था कि गेंदबाजों को इन परिस्थितियों का बेहतर इस्तेमाल करना चाहिए था।

इससे पहले भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर भी बल्लेबाज और गेंद के बीच बेहतर मुकाबला कराने वाली पिचों की मांग कर चुके हैं। गावस्कर ने वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज शमार जोसेफ की खेल भावना पर भी सवाल उठाए। मैच के दौरान शमार ने अर्शदीप सिंह को बाउंसर मारी, जोकि उनके कंधे पर लगी। इसके बाद अर्शदीप विकेट छोड़कर बल्लेबाजी करने लगे। इसके बावजूद शमार ने अर्शदीप की बॉडीलाइन पर गेंदबाजी जारी रखी। उन्होंने एक और बाउंसर मारी। इस पर गावस्कर ने कमेंट्री में कहा- वह स्टंप्स पर गेंदबाजी करने के बजाय 'अर्शदीप को निशाना बना रहे हैं', जबकि स्टंप्स पूरी तरह असुरक्षित थे। दूसरी बार चोटिल होने से बाल-

गावस्कर ने कहा- बॉलर्स की कमियों के कारण बड़ा स्कोर बना

गावस्कर ने जियोहॉटस्टार पर कहा कि भारत की गेंदबाजी की कमियों के कारण वेस्टइंडीज ने बड़ा स्कोर बनाया। हम अक्सर पिचों की बात करते हैं और उन्हें दोष देते हैं। कहते हैं कि पिच गेंदबाजों की मदद नहीं करती। लेकिन अगर आप फुलटॉस डालते हैं, तो पिच को दोष नहीं दिया जा सकता।' गावस्कर ने कहा कि गेंदबाजों को पिच का फायदा उठाने के लिए सही जगह गेंद डालनी होगी। फुलटॉस और पिच के बीच में पड़ने वाली गेंदों से बल्लेबाजों को रन बनाने का मौका नहीं देना चाहिए। गावस्कर ने कहा कि वेस्टइंडीज के गेंदबाजों ने बाद में सही लेंथ और यॉर्कर डाली।



टीम इंडिया की हार के बाद अर्शदीप सिंह को सांत्वना देते रोवमन पॉवेल।

बाल बचने के बाद अर्शदीप खेल जारी रखने में असमर्थ रहे। वह 5 रन पर रिटायर हर्ट हो गए।

नटराजन सनराइजर्स हैदराबाद में लौटे स्पिनर जीशान अंसारी दिल्ली कैपिटल्स से जुड़े

नई दिल्ली, एजेंसी

IPL 2027 के ऑक्शन से पहले सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स ने ट्रेड किया है। मंगलवार को हुए इस सौदे में टी नटराजन सनराइजर्स हैदराबाद में वापस लौटे हैं, जबकि उनके बदले लेग स्पिनर जीशान अंसारी दिल्ली से जुड़ गए हैं। नटराजन को हैदराबाद ने 5 करोड़ रुपए की राशि पर टीम में शामिल किया। जीशान अंसारी मौजूदा 40 लाख रुपए की फीस पर ही दिल्ली से खेलेंगे। उन्होंने IPL 2025 में हैदराबाद के लिए 10 मैच खेले थे। इसमें उन्होंने 6 विकेट लिए थे। नटराजन 2020 से 2024 तक पांच सीजन में हैदराबाद की टीम का हिस्सा रहे थे। उनका सबसे सफल सीजन 2024 रहा। तब उन्होंने टीम के लिए सबसे ज्यादा 19 विकेट चटकाए थे।

2025 के ऑक्शन में दिल्ली ने नटराजन को 10.75 करोड़ रुपए में खरीदा था। अब वह संशोधित 5 करोड़ रुपए की फीस पर अगला IPL खेलेंगे। 2027 सीजन से



पहले यह इकलौता प्लेयर ट्रेड नहीं है। जून में भारत के विकेटकीपर ऋषभ पंत और रिस्ट स्पिनर कुलदीप यादव को लेकर लखनऊ सुपर जायंट्स और दिल्ली के बीच भी ट्रेड हुआ था।

पंत दो सीजन बाद अपनी पुरानी फ्रेंचाइजी में लौटे। उन्होंने पहले लखनऊ सुपर जायंट्स छोड़ने की इच्छा जताई थी।

IPL 2025 के मेगा ऑक्शन में लखनऊ सुपर जायंट्स ने पंत को रिकॉर्ड 27 करोड़ रुपए में खरीदा था। यह ऑक्शन इतिहास की सबसे बड़ी बोली थी। हालांकि दिल्ली लौटने पर पंत की फीस 15 करोड़ से घटकर 12 करोड़ रुपए हो गई। लखनऊ में कप्तान के तौर पर उनका परफॉर्मेंस खराब रहा।

ब्राजील के फुटबॉलर विनीसियस जूनियर पर चार मैच का बैन

विरोधी खिलाड़ी के बाल खींचे, बार्सिलोना के खिलाफ एल-क्लासिको नहीं खेलेंगे

मैड्रिड, एजेंसी

रियल मैड्रिड के फॉरवर्ड विनिसियस जूनियर पर चार लीग मैचों का बैन लगा है। वे बार्सिलोना के खिलाफ एल-क्लासिको नहीं खेलेंगे। यह मैच 26 अक्टूबर को स्पेनिश लीग ला-लीगा में खेला जाएगा। स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन की अनुशासन समिति ने बुधवार को विनिसियस पर 4 मैचों का प्रतिबंध लगाया है। ब्राजील के इस फुटबॉलर ने 11 अक्टूबर को मैच में विलारियल के नाथन सालिबा के बाल खींचे थे। हालांकि, विलारियल 1-0 से जीत गया।

विनिसियस को बाल खींचने के लिए दो मैच और रेफरी से आक्रामक तरीके से विरोध करने के लिए दो मैचों का बैन मिला है। विलारियल के पिछले हफ्ते शनिवार को नाथन



सालिबा के साथ दौड़ते समय बाल खींचे थे। इस घटना के तुरंत बाद विनिसियस ने गोल किया था। हालांकि, रेफरी ने गोल को रद्द कर दिया और उन्हें सीधे लाल कार्ड दिखाया।

विनिसियस 18 अक्टूबर को सेविया के खिलाफ घरेलू मैच और अगले हफ्ते बार्सिलोना के दौरे पर नहीं खेलेंगे। वह रेसिंग सांतांदेर और वेलेंसिया के खिलाफ अवे मैच भी मिस करेंगे।

स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन की अनुशासन समिति ने बुधवार को रोमा में रियल मैड्रिड के चैंपियंस लीग मैच से कुछ समय पहले बैन का ऐलान किया। रियल मैड्रिड के कोच जोस मोरिन्हो ने फैसले के समय पर नाराजगी जताई।

मोरिन्हो ने कहा, 'क्या आपको लगता है कि यह सामान्य है कि स्पेन की टीम का खिलाड़ी ऐसे महत्वपूर्ण मैच की तैयारी कर रहा हो, जो स्पेनिश फुटबॉल के लिए भी अहम है, और उसे मैच शुरू होने से सिर्फ दो घंटे पहले चार मैचों के बैन का पता चले?' उन्होंने कहा, 'क्या वे इस फैसले का ऐलान अभी या कल सुबह नहीं कर सकते थे? हम स्टेडियम पहुंचने वाले थे और बस में थे, तभी हमें इसके बारे में पता चला। उन्होंने बिना किसी शर्म के इस तरह के काम शुरू कर दिए हैं।'

नाबालिग बच्चियों के न्यूड वीडियो बनाता था, बाथरूम में कैमरा लगाया था

अमेरिका के जिम्नास्टिक कोच को 90 साल की जेल

लंदन, एजेंसी

अमेरिका में जिम्नास्टिक्स कोच सीन गार्डनर को 90 साल जेल की सजा सुनाई गई है। यूएस डिस्ट्रिक्ट जज क्रिस्टी जॉनसन ने बुधवार को यह सजा सुनाई।

गार्डनर ने दिसंबर 2017 से अप्रैल 2018 के बीच 10 से ज्यादा नाबालिग छात्राओं के न्यूड वीडियो बनाया था। उसने जिम के बाथरूम में हिडेन कैमरा लगाया था।

कोर्ट ने गार्डनर को तीन मामलों में दोषी करार दिया। जज ने गार्डनर को हर आरोप में 30 साल जेल की अधिकतम सजा दी। गार्डनर की उम्र 39 साल है।

गार्डनर मशहूर कोच लियांग 'चाउ' चियाओ के संस्थान में काम



कुछ पूर्व छात्राओं के वकीलों का आरोप है कि यूएसए जिम्नास्टिक्स और अमेरिकी सेंटर फॉर सेफस्पोर्ट को 2017 में ही गार्डनर के अनुचित व्यवहार की जानकारी मिल गई थी, लेकिन उसे खेल से बाहर करने में देरी हुई।

करता था। वह युवा खिलाड़ियों को ट्रेनिंग देने के साथ आयोवा में आयोजित होने वाली एक बड़ी सालाना प्रतियोगिता का निदेशक भी था। सेफस्पोर्ट ने 2022 में गार्डनर को अस्थायी रूप से निलंबित किया था। यह कार्रवाई चॉज जिम्नास्ट की ओर से लगाए गए यौन शोषण के आरोप के बाद हुई थी। इसके बाद चॉज ने गार्डनर को नौकरी से निकाल दिया था। सेफस्पोर्ट ने कहा है कि जांच के दौरान उसे पता चला कि चॉ और दूसरे कोच गार्डनर के यौन दुराचार के आरोपों से परिचित थे।



आयोवा के वेस्ट डेस मोइनेस स्थित चाउज जिम्नास्टिक्स एंड डांस इंस्टीट्यूट। (फोटो AP)

पहले भी आरोप लगे, अब तक कार्रवाई नहीं

गार्डनर आयोवा के वेस्ट डेस मोइनेस स्थित चाउज जिम्नास्टिक्स एंड डांस इंस्टीट्यूट में भी कोच रह चुका था। वहां ट्रेनिंग लेने वाली कई पूर्व छात्राओं ने उस पर यौन शोषण के आरोप लगाए हैं। पुलिस में शिकायतें की गईं और अदालत में मुकदमे भी दायर हुए हैं। हालांकि, आयोवा से जुड़े आरोपों में गार्डनर पर अब तक आपराधिक मामला दर्ज नहीं हुआ है। पुलिस का कहना है कि संघीय मामला खत्म होने के बाद आगे की कार्रवाई पर फैसला लिया जाएगा।

संस्था के मुताबिक, उन्होंने अपनी नीति के तहत इन आरोपों की जानकारी सेफस्पोर्ट को नहीं दी।

मई में एक जज ने गार्डनर की जांच ठीक से नहीं करने के आरोपों वाले दो मुकदमों से सेफस्पोर्ट को हटा दिया था। जज ने कहा था कि संघीय कानून के तहत संस्था को कानूनी सुरक्षा हासिल है। गार्डनर, यूएसए जिम्नास्टिक्स और चॉज जिम्नास्टिक्स के खिलाफ कई मुकदमे अब भी लंबित हैं।

मनोरंजन

सलमान ने पिता सलीम खान संग शेयर की तस्वीरें

नई दिल्ली। सलमान खान ने बुधवार देर रात अपने पिता सलीम खान के साथ तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में दोनों मैचिंग काउबॉय हैट पहने नजर आए।

सलमान ने सलीम खान के साथ तस्वीरों की सीरीज इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। पहली 3 तस्वीरों में सलमान कुर्सी पर बैठे सलीम को पीछे से गले लगाते दिखे।

सलमान इस ट्विनिंग मोमेंट में काफी खुश नजर आए। आखिरी तस्वीर में सलमान पिता के पास बैठे और उनका हाथ पकड़े दिखे।

तस्वीरें शेयर करते हुए सलमान ने लिखा, "हाउडी पार्टनर! ही-हॉ! 91 की उम्र में एक... बाप तो बाप होता है। वह असली मॉन्स्टर हैं। हम सब के बाप में है दम वंदे मातरम्।"

उन्होंने आगे लिखा, "एक और दिन नहीं होता , एक और दिन कम



दोनों काउबॉय हैट में दिखे, बोले- वह 'असली मॉन्स्टर' हैं, हम सब के बाप में है दम

होता है। आप लोग समझ रहे हैं? भगवान दयालु रहे हैं।"

वैरायटी इंडिया को दिए इंटरव्यू में सलमान ने बताया था कि वह अब भी अपने पिता से करियर की सलाह लेते हैं। उन्होंने कहा, "आज भी अगर मैं किसी बात को लेकर उलझन में होता हूं, तो हमेशा उनके पास जाता हूं। वह जो कहते हैं, मैं वही करता हूं।"

साउथ में सुपरस्टार बनीं, बॉलीवुड में स्ट्रगल किया, बोलीं- नॉमिनेशन मिला, अवॉर्ड शो में नहीं बुलाया

दृश्यम एक्ट्रेस श्रिया सरन ने ऑडिशन के लिए शादी छोड़ी

नई दिल्ली। माता-पिता चाहते थे कि श्रिया सरन पढ़ाई पूरी करने के बाद एक्टिंग में आएं, लेकिन एक म्यूजिक वीडियो ने उनकी जिंदगी की दिशा बदल दी। तेलुगु फिल्म 'इष्टम' से करियर शुरू करने वाली श्रिया ने साउथ की फिल्मों में पहचान बनाई, लेकिन बॉलीवुड में संघर्ष करना पड़ा। 'तुझे मेरी कसम', 'शुक्रिया' और 'मिशन इस्तांबुल' से उन्हें अपेक्षित सफलता नहीं मिली।

उन्होंने करियर में गलत फैसले लेने की बात भी स्वीकार की। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। रजनीकांत की 'शिवाजी', अजय देवगन की 'दृश्यम' फ्रेंचाइजी और



फिल्म 'शिवाजी : द बॉस' पहले 15 जून 2007 को तमिल में रिलीज हुई थी। इसके बाद इसे हिंदी में डब करके 8 जनवरी 2010 को रिलीज किया गया।

एसएस राजामौली की 'आरआरआर' ने उन्हें नई पहचान दी।

श्रिया के माता-पिता उनके एक्टिंग के फैसले से बहुत

डांस टीचर की सलाह ने बदली जिंदगी, बिना प्लानिंग के फिल्मों में आईं

श्रिया सरन का फिल्मी सफर पारंपरिक तरीके से शुरू नहीं हुआ। उनके परिवार का फिल्मों से कोई संबंध नहीं था और न ही उन्होंने बचपन से अभिनेत्री बनने का सपना देखा था। उनका जन्म 11 सितंबर 1982 को हुआ। हरिद्वार में शुरुआती जीवन बिताने के बाद वह दिल्ली आईं। वहां उन्होंने लेडी श्रीराम कॉलेज से अंग्रेजी साहित्य की पढ़ाई के साथ कथक की ट्रेनिंग भी ली।

कॉलेज के दिनों में म्यूजिक वीडियो में काम करने का मौका मिलने से श्रिया की जिंदगी बदल गई। उनकी डांस टीचर ने प्रोडक्शन कंपनी को उनका नाम सुझाया था। श्रिया ने इसे करियर बनाने की योजना के बजाय नया अनुभव माना और ऑडिशन देने पहुंच गईं। इसके बाद वह 'थिरकती क्यों हवा' म्यूजिक वीडियो में नजर आईं, जिसने फिल्मों के दरवाजे खोले। उन्हें तेलुगु फिल्म 'इष्टम' का ऑफर मिला और 17 साल की उम्र में वह अभिनय की दुनिया में आ गईं।



उत्साहित नहीं थे। उनके पिता इंजीनियर थे और मां स्कूल में केमिस्ट्री की टीचर थीं। परिवार चाहता था कि बेटी पहले पढ़ाई पूरी करे, फिर करियर का फैसला ले। श्रिया के सामने शर्त थी कि वह फिल्मों में काम करें, लेकिन पढ़ाई बीच में न छोड़ें। उन्हें दोनों जिम्मेदारियां साथ निभानी थीं।

अक्षय कुमार, अदनान सामी की नागरिकता पर भी हुआ विवाद, आलिया-कटरीना इंडियन नहीं

इमरान खान को छोड़ना होगा भारत



नई दिल्ली। एक्टर इमरान खान के खिलाफ भारतीय नागरिकता न होने के बावजूद प्रोटेस्ट में शामिल होने पर शिकायत दर्ज हुई है। मुंबई पुलिस ने उन पर कार्रवाई करते हुए 28 अक्टूबर तक देश छोड़ने का आदेश दिया है। ये इस तरह का इकलौता मामला नहीं है। इससे पहले अक्षय कुमार, अदनान सामी, दिलजीत दोसांझ जैसे कई सेलेब्स की नागरिकता विवादों में रही है। कुछ ने विदेशों के बाद भारतीय नागरिकता ली, तो कुछ ने भारतीय नागरिकता छोड़ दी। इनके अलावा आलिया भट्ट, कटरीना कैफ जैसे कुछ सेलेब्स ऐसे भी हैं, जो सालों से भारत में काम कर रहे हैं, लेकिन उनके पास भारतीय नागरिकता नहीं है। चेतन ने 2023 में सोशल मीडिया पर भारत विरोधी बयान दिए थे, जिसके बाद उनके खिलाफ कार्रवाई हुई। मार्च 2023 में केंद्र सरकार ने उनकी OCI सुविधा रद्द करने का फैसला सुनाया। यानी उन्हें भारत में रहने और काम करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने इस फैसले को चुनौती दी और अप्रैल 2023 में कर्नाटक हाईकोर्ट ने उनके OCI कार्ड को रद्द करने के आदेश पर रोक लगा दी।

बांग्लादेशी अभिनेता फिरदौस अहमद अप्रैल 2019 में पश्चिम



बंगाल में लोकसभा चुनाव के दौरान तृणमूल कांग्रेस (TMC) के लिए प्रचार करने के बाद विवादों में आ गए थे। वह बंगाली फिल्म इंडस्ट्री में काम करते थे और उस समय भारत में बिजनेस वीजा पर मौजूद थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिरदौस अहमद को रायगंज लोकसभा सीट से टीएमसी उम्मीदवार कन्हैया लाल अग्रवाल के समर्थन में रोड शो और चुनाव प्रचार करते देखा गया था। इस पर भाजपा ने चुनाव आयोग से शिकायत की और विदेशी नागरिक के चुनाव प्रचार में शामिल होने पर सवाल उठाए।

इसके बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने उनके बिजनेस वीजा को रद्द कर दिया और उन्हें भारत छोड़ने का नोटिस जारी किया। अधिकारियों ने उनके खिलाफ वीजा नियमों के उल्लंघन की कार्रवाई की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें ब्लैकलिस्ट भी किया गया था। फिरदौस अहमद ने बाद में भारत छोड़ दिया और अपने चुनाव प्रचार में शामिल होने को अनजाने में हुई गलती बताते हुए बिना शर्त माफी मांगी थी।

- इमरान खान, आमिर खान की बहन नुजहत के बेटे हैं। उनका जन्म अमेरिका के विस्कॉन्सिन में हुआ।
- जन्म से ही इमरान खान के पास अमेरिकी नागरिकता और अमेरिकी पासपोर्ट है।
- इमरान ओवरसीज सिटीजनशिप ऑफ इंडिया कार्ड की मदद से भारत में काम करते और रहते हैं।
- इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्ट, 2025 के तहत अगर किसी शख्स के पास भारतीय नागरिकता नहीं है, तो वह देश से जुड़े किसी प्रदर्शन में शामिल नहीं हो सकता।

इमरान ने नियम का उल्लंघन किया है, जिसके चलते उनके खिलाफ कार्रवाई हुई है।



बांग्लादेशी अभिनेता गाजी अब्दुल नूर, जिन्हें गाजी अब्दुन नूर भी लिखा जाता है, अप्रैल 2019 में पश्चिम बंगाल

एक्टर चेतन कुमार अहिंसा- देश विरोधी बयान देने पर कार्यवाई हुई

कन्नड़ अभिनेता और सामाजिक कार्यकर्ता चेतन कुमार अहिंसा, जिन्हें चेतन कुमार के नाम से भी जाना जाता है, 2023 में अपने OCI कार्ड को लेकर विवादों में आए थे। चेतन अमेरिकी नागरिक हैं और OCI कार्ड की मदद से लंबे समय से कर्नाटक में रहकर फिल्मों और सामाजिक मुद्दों पर काम कर रहे थे।

में चुनाव प्रचार से जुड़े विवाद में फंस गए थे। वह बंगाली टीवी शो 'रानी रश्मोनी' में अपने अभिनय के लिए पहचाने जाते थे।

28 बच्चों और महिला टीचर की जान गई, 40 से ज्यादा घायल, लोगों के दबे होने की आशंका के चलते तलाशी

पाकिस्तान में स्कूल की छत गिरने से 29 की हुई मौत

हादसा

पेशावर, एजेंसी

पाकिस्तान के पेशावर में गुरुवार को एक प्राइवेट स्कूल की छत गिरने से 29 लोगों की मौत हो गई। इनमें 28 छात्र और एक महिला टीचर शामिल हैं। सभी बच्चों की उम्र 13 साल या उससे कम है।

यह हादसा दीर कॉलोनी इलाके में हुआ। इसमें 40 से ज्यादा लोग घायल भी हुए हैं। उनके इलाज के लिए अस्पताल में इमरजेंसी घोषित कर दी गई है। अस्पताल के ट्रॉमा वार्ड में डॉक्टरों और दूसरे कर्मचारियों को तैनात किया गया है। पाकिस्तान में छत और इमारतें गिरने की घटनाएं अक्सर होती हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह सुरक्षा मानकों की अनदेखी करना और निर्माण में घटिया सामग्री का इस्तेमाल करना है।



पाकिस्तान के पेशावर में एक स्कूल की छत गिर गई।

उमरकोट- जुलाई में एक सरकारी स्कूल की बाहरी दीवार गिरने से 3 बच्चियों की मौत हो गई थी।

लाहौर- जुलाई में ही बागबानपुरा इलाके में निर्माणाधीन निजी स्कूल की छत गिरने से एक बच्चे की मौत हो गई थी।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने जताया दुख

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हादसे में लोगों की मौत पर गहरा दुख जताया। उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और उन्हें इस मुश्किल समय में हिम्मत देने की प्रार्थना की। प्रधानमंत्री ने घायलों के जल्द ठीक होने की कामना की। उन्होंने अधिकारियों को घायलों के लिए बेहतर से बेहतर इलाज की व्यवस्था करने और बचाव अभियान में तेजी लाने का निर्देश दिया।

खैबर पख्तूनख्वा के गवर्नर ने जांच के आदेश दिए

खैबर पख्तूनख्वा के गवर्नर फैसल करीम कुंडी ने भी हादसे पर दुख जताया। उन्होंने मारे गए बच्चों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। गवर्नर ने कहा कि मासूम बच्चों की जान जाना बेहद दुखद त्रासदी है। उन्होंने घायल बच्चों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की और संबंधित अधिकारियों को उन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों से स्कूल की छत गिरने की घटना पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। साथ ही हादसे की वजह का पता लगाने का निर्देश भी दिया है।



घायल बच्चे को अस्पताल ले जाने के लिए एम्बुलेंस की तरफ भागता एक व्यक्ति।

लाहौर- जून में कहना इलाके में एक ट्यूशन सेंटर की छत गिरने से 14 बच्चों की जान चली गई थी।

डेरा गाजी खान- मई में स्कूल की छत गिर गई थी। इसमें चार बच्चों की मौत हुई थी और 20 लोग घायल हुए थे।

शिकागो यूनिवर्सिटी के बाथरूम में युवती से रेप

बाहर खड़े लड़के चिल्ला रहे थे- मेरी बारी कब आएगी

वाशिंगटन, एजेंसी



अमेरिका के शीर्ष विश्वविद्यालयों में महिलाओं की सुरक्षा पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। कॉर्नेल यूनिवर्सिटी में हाल ही में हुए गैंगरेप के सनसनीखेज मामलों की गूंज थमी भी नहीं थी कि अब शिकागो यूनिवर्सिटी से एक बेहद दहला देने वाली घटना सामने आई है। मिली जानकारी के अनुसार, यहां एक फ्रैटर्निटी हाउस में पार्टी के दौरान एक युवती के साथ कथित तौर पर बलात्कार का मामला सामने आया है। दुखद और शर्मिंदगी की बात यह भी है कि जब ये वारदात हो रही थी, तब बाहर खड़े कुछ लड़के दरवाजा पीटने के साथ चिल्ला रहे थे, 'अब मेरी बारी कब आएगी?' और 'मुझे अंदर जाने दो'। बता दें कि 18000 छात्रों वाले शिकागो विश्वविद्यालय में हुई इस घटना ने पूरे कैंपस को झकझोर कर रख दिया है। पुलिस और मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 21 वर्षीय पीड़िता अपनी दोस्त मिया लारा और एक अन्य सहेली के साथ 'अल्फा एप्सिलॉन पाई' फ्रैट हाउस में इंस्टाग्राम पर विज्ञापन देखकर एक पार्टी में शामिल होने गई थी। पार्टी के दौरान शराब पीने और डांस करने के बाद पीड़िता की तबीयत बिगड़ने लगी। उसकी सहेलियां जब उसे तलाश करती हुई बेसमेंट में पहुंचीं, तो उन्होंने देखा कि एक बाथरूम का दरवाजा बंद था और उसके बाहर लड़कों की भीड़ खड़ी थी, जो कि चिल्ला रहे थे, 'कब है मेरी बारी? और 'मुझे अंदर जाने दो'।

फास्ट न्यूज

यूक्रेन ने रूस के एयरफील्ड पर मिसाइल से किया हमला

कीव। यूक्रेन की नौसेना ने गुरुवार को बताया कि उसने रूस के वोरोनिश क्षेत्र में बोरिसोक्लेब्स्क एयरफील्ड पर रात भर चले हमले में रूस के छह Su-34M सैन्य विमानों को तबाह कर दिया है। इस बीच, दोनों पक्षों की ओर से ऊर्जा बुनियादी ढांचे और जहाजों पर हमले जारी रहे। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, टेलीग्राम पर जारी एक बयान में बताया गया कि नौसेना ने इस हमले में उसने अपने नेपच्यून तटीय मिसाइल सिस्टम का इस्तेमाल किया।

विवादों में घिरीं व्हाइट हाउस की नई प्रेस सचिव केटी जकारिया

वाशिंगटन। अमेरिका में नव-नियुक्त व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव केटी जकारिया को लेकर वॉशिंगटन की राजनीति में गर्माहट तेज हो गई है। या यूं कहें कि जकारिया अपनी नियुक्ति के शुरुआती दिनों में खुद के दावों के चलते ही विवादों और तीखे सवालों के घेरे में आ गई हैं। इसकी वजह को ऐसे समझिए राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के प्रशासन का सार्वजनिक चेहरा बनने जा रही जकारिया के रिज्यूमे, उनकी कानूनी योग्यता और वकील होने के दावों पर अब अमेरिकी मीडिया और स्वतंत्र जांच एजेंसियों की तरफ से गंभीर सवाल खड़े किए जा रहे हैं।

चुनाव से पहले ईरान पर हमला नहीं करना चाहते नेतन्याहू

बोले- तेहरान ने हमला किया तब भी विरोधी मुझे जिम्मेदार ठहराएंगे

तेल अवीव, एजेंसी



इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि वह 27 अक्टूबर को होने वाले चुनाव से पहले ईरान पर हमला नहीं करना चाहते। बुधवार को इजराइली आर्मी रेडियो से बातचीत में उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले ईरान पर हमला करना ठीक नहीं होगा। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरान ने इजराइल पर हमला किया, तो उसे कड़ा जवाब दिया जाएगा।

नेतन्याहू ने कहा कि अगर ईरान इजराइल पर मिसाइलें दागता है तो उनके विरोधी इसके लिए भी उन्हें ही जिम्मेदार ठहराएंगे। विपक्ष का आरोप है कि नेतन्याहू चुनाव से पहले ईरान के साथ लड़ाई शुरू कर सकते हैं। अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमले किए थे। इसके जवाब में ईरान ने इजराइल और खाड़ी देशों पर हमले किए। जून के बाद से दोनों देशों के बीच सीधे हमले नहीं हुए हैं। नेतन्याहू ने कहा कि मिडिल-ईस्ट के कई देश इजराइल की सैन्य कामयाबी के बाद उससे संपर्क कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने यह साफ नहीं किया कि क्या इजराइल सऊदी अरब को हूती विद्रोहियों के हमलों से बचाने में मदद कर रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले एक हफ्ते में सऊदी अरब पर हूतियों के हमले बढ़े हैं। शनिवार, 10 अक्टूबर को रियाद एयरपोर्ट पर हुए हमले में 13 लोगों की मौत हुई थी। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक चुनाव से पहले प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सत्ता में वापसी की संभावना बनी हुई है। 7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमले में बड़ी संख्या में लोग मारे गए थे। इसे इजराइल की सुरक्षा व्यवस्था की बड़ी नाकामी माना गया था।

विपक्ष का आरोप है कि नेतन्याहू ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली और सुरक्षा में चूक के लिए सेना व अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया। हमले की जांच के लिए स्वतंत्र आयोग बनाने की मांग भी उठी, लेकिन इस पर विवाद बना रहा।

पायलट का आखिरी मैसेज था- पंखों पर बर्फ जम रही, ऊंचाई घटाने की परमिशन दें

अमेरिका के विस्कॉन्सिन में प्लेन क्रैश, 6 की मौत

डेलोना, एजेंसी

अमेरिका के विस्कॉन्सिन में मंगलवार रात विमान हादसे में एक बच्चे समेत छह लोगों की मौत हो गई। हादसे से पहले पायलट ने पंखों पर बर्फ जमने की सूचना दी थी।

छह सीटों वाला सिंगल-इंजन विमान केनोशा से मेनोमोनी जा रहा था। यह विमान रात करीब 10 बजे डेलोना टाउन में मिरर लेक स्टेट पार्क के पास जंगल में गिरा।

हादसे के समय इलाके में बारिश हो रही थी और गरज-चमक वाला तूफान गुजर रहा था।

नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (NTSB) के मुताबिक, पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को पंखों पर बर्फ जमने की जानकारी दी थी। उस समय पाइपर PA-46 विमान 24,000 फीट यानी 7,315 मीटर की ऊंचाई पर उड़ रहा था। पायलट ने विमान को नीचे लाने की अनुमति मांगी थी। एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने विमान को नीचे आने की अनुमति दी। इसके बाद विमान दाईं ओर नीचे उतरने वाले मोड़ में गया। NTSB ने बताया कि यह मोड़ लगातार तेज होता गया। इसके बाद विमान से संपर्क और उसके डेटा की ट्रैकिंग बंद हो गई।





> विंग्स पर बर्फ जमना एविएशन (हवाई यात्रा) के लिए एक बड़ा खतरा है, क्योंकि बर्फ की एक पतली परत भी प्लेन को हवा में बनाए रखने में मुश्किल पैदा कर सकती है।

विस्कॉन्सिन डेल्स में बड़ी संख्या में पर्यटक आते है

हादसा विस्कॉन्सिन डेल्स से लगभग 10 मील (16 किलोमीटर) पश्चिम में हुआ था। यह शहर बड़ी संख्या में वॉटरपार्क्स होने की वजह से 'दुनिया की वॉटरपार्क राजधानी' कहलाता है। राज्य के पर्यटन अधिकारियों के अनुसार, 2025 में इस इलाके में 50 लाख से ज़्यादा पर्यटक आए थे।

अधिकारियों के मुताबिक, हादसे में जमीन पर मौजूद कोई व्यक्ति घायल नहीं हुआ। हादसे में कोई इमारत या अन्य ढांचा भी क्षतिग्रस्त नहीं हुआ।

नवरात्रि के पहले दिन हमला करने पहुंचा था, लेकिन राइफल जाम हुई

अमेरिका के मंदिर में नरसंहार की साजिश नाकाम आरोपी गिरफ्तार

इलिनॉय, एजेंसी

अमेरिका के इलिनॉय में नवरात्रि के दौरान एक हिंदू मंदिर पर हमला करने की साजिश रचने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

19 साल के अलेक्जेंड्रोस पापोराकिस पर आरोप है कि वह 11 अक्टूबर को भारतीय मूल के लोगों की सामूहिक हत्या करना चाहता था। पापोराकिस अपने घर से करीब 65 किमी गाड़ी चलाकर ऑरोरा में श्री वेंकटेश्वर स्वामी (बालाजी) मंदिर पहुंचा था। इस मंदिर में छुट्टी के दिन 3,000 से ज्यादा श्रद्धालु आते हैं। पापोराकिस अपने साथ राइफल और सैकड़ों गोलियां लेकर आया था, लेकिन राइफल जाम होने की वजह से वह ऐसा नहीं कर पाया।

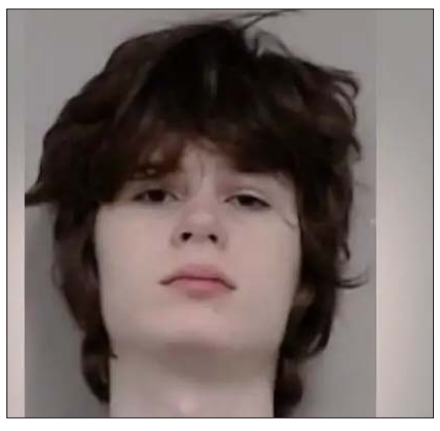


इसके बाद उसे वहां से भागना पड़ा।

घर लौटने के बाद पापोराकिस ने अपने एक दोस्त को मैसेज कर इसकी जानकारी दी। उसने हथियार की तस्वीरें और अपनी एक तस्वीर भी भेजी। आरोपी का मैसेज देखकर उसके दोस्त ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने उसी दिन आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को उसके घर में मिली एक जैकेट पर ऐसा निशान भी था, जो गोरी नस्ल को दूसरों से बेहतर मानने वाले चरमपंथियों से जुड़ा है।

इंटरनेट पर राइफल ठीक करने का तरीका खोजा

पुलिस के मुताबिक पापोराकिस ने इंटरनेट पर राइफल ठीक करने का तरीका भी खोजा। आरोपी पर आतंकवादी धमकी देने और गैरकानूनी तरीके से हथियार रखने के आरोप लगाए गए हैं। अदालत ने उसे हिरासत में रखने का आदेश दिया है। उसकी अगली पेशी 30 अक्टूबर को होगी। मामले की जांच में FBI भी पुलिस की मदद कर रही है। शिकागो में भारतीय कॉन्सुलेट ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए अमेरिकी पुलिस की तारीफ की है। कॉन्सुलेट ने कहा कि वह हिंदू धार्मिक स्थल पर हमले की साजिश के मामले पर नजर रख रहा है।



आरोपी ऑरोरा में एक हिंदू मंदिर पर हमला करने पहुंचा था। उसकी यह तस्वीर FBI ने जारी की है।

> घटना पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने चिंता जताई है। मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि साजिश में हिंदुओं और भारतीय मूल के लोगों को निशाना बनाने की बात बेहद चिंताजनक है।
>
> भारत ने अमेरिकी अधिकारियों से मामले की पूरी जांच करने और भारतीय समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।

'सुरक्षा को बड़ा खतरा'

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया में भारतीय मूल के एक सरकारी कर्मचारी को अदालत ने जमानत देने से इनकार कर दिया। उस पर एक महिला का पीछा करने और उसे धमकाने का आरोप है। इस महिला से वह एक डेटिंग ऐप के जरिए मिला था। अदालत ने कहा कि उसे रिहा करने से महिला की सुरक्षा और भलाई को गंभीर खतरा हो सकता है। आरोपी की पहचान 31 वर्षीय सुयश सिन्हा के रूप में हुई है।

नाइजीरिया में सेना के बेस पर इस्लामी चरमपंथियों का हमला

मैदुगुरी, एजेंसी



नाइजीरिया के पूर्वोत्तर बोरनो राज्य में एक सैन्य ठिकाने पर बोको हराम के चरमपंथियों ने हमला कर दिया। इस हमले में चरमपंथियों ने कम से कम 10 सैनिकों की हत्या कर दी और 20 से अधिक को घायल कर दिया।

सैन्य सूत्रों ने बताया कि मंगलवार रात को उग्रवादियों ने गुजामाला स्थानीय सरकारी इलाके में स्थित इस बेस पर हमला किया। उन्होंने सैनिकों पर काबू पा लिया, सैन्य वाहनों को नष्ट कर दिया और पास के मैरारी गांव के कुछ हिस्सों में आग लगा दी।

समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से बताया कि इस हमले में 20 से ज्यादा लोग घायल हुए, जबकि कम से कम पांच आम नागरिक और एक वन रक्षक (फॉरेस्ट गार्ड) मारे गए।

हादसे के शिकार हुए मछुआरे जिब्रिन हसन ने बताया कि सैन्य ठिकाने पर हमला करने से पहले लड़ाकों ने पास ही झील के किनारे बसे गांव 'तुमबुन बारेबारी' से 40 से अधिक नावें छीन ली थीं।

वहीं एक अन्य मछुआरे, बाबागाना मुहम्मद ने बताया कि एक साथ कई जगह किया गया हमला था... फर्क सिर्फ इतना रहा कि उन्होंने हम मछुराहों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया।

उल्लेखनीय है कि उत्तर-पूर्वी नाइजीरिया में 17 साल से चल रहे विद्रोह को रोकने के लिए सेना कई सालों से अभियान चला रही है, लेकिन इसके बावजूद हाल के हफ्तों में बोको हराम और इस्लामिक स्टेट वेस्ट अफ्रीका प्रोविंस (ISWAP) जैसे इस्लामी समूहों के हमले तेज हो गए हैं।

सप्लाई : इस साल भी इम्पोर्ट जारी, 2025 में भारत की रिफाइनरी पर प्रतिबंध लगाए थे

यूरोप ने रूस से 30 लाख करोड़ का तेल-गैस खरीदा

मॉस्को, एजेंसी

रूस से तेल खरीदने पर भारत पर दबाव बनाने वाला यूरोप खुद भी उससे बड़े पैमाने पर तेल-गैस खरीद रहा है। 2022 से अब तक यूरोपीय देशों ने रूस से करीब 30 लाख करोड़ रुपए का ईंधन खरीदा है।

दूसरी ओर, यूरोपीय संघ ने जुलाई 2025 में गुजरात स्थित नायरा एनर्जी की रिफाइनरी पर प्रतिबंध लगाए थे, जिसमें रूस की तेल कंपनी रोसनेफ्ट की हिस्सेदारी रही है। 2026 के शुरुआती नौ महीनों में भी करीब 2.03 लाख करोड़ रुपए की खरीद हुई। रूस के मुताबिक, जिन रास्तों से रूसी ऊर्जा खरीदने की छूट है, उनके जरिए यूरोप को तेल और गैस की सप्लाई जारी है।



यूरोप अमेरिका और दूसरे देशों से भी गैस खरीदता है। लेकिन दूसरे देशों से गैस मंगाने के लिए अलग इंतजाम और खर्च की जरूरत होती है। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से भी ऊर्जा सप्लाई को लेकर चिंता बनी हुई है। ऐसे में रूस से खरीद तुरंत बंद करना यूरोप के लिए आसान नहीं है।

यूरोपीय कंपनियों ने रूस के साथ लंबे समय के लिए गैस खरीदने के समझौते कर रखे हैं। यूरोप की ऊर्जा नियामक एजेंसी के मुताबिक, रूसी एलएनजी खरीदने के लिए कुछ कंपनियों के सालाना 20 से 32 अरब घनमीटर तक के अनुबंध हैं। इन समझौतों और दूसरी जगह से गैस लाने के इंतजाम में समय लगने के कारण आयात बंद करना मुश्किल है।



उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने 23 सितंबर 2025 को कहा था कि यूरोप साल के अंत तक रूस से तेल खरीद बंद करना चाहता है।

तेल-गैस महंगी हो सकती है

यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद यूरोप में गैस और बिजली की कीमतें बढ़ी थीं। रिपोर्ट में गैस की कीमतों में 46% और बिजली की कीमतों में 21% तक बढ़ोतरी का दावा किया गया है। रूस से सप्लाई पूरी तरह बंद होने पर कीमतें फिर बढ़ सकती हैं। इससे आम लोगों के बिल और कंपनियों की लागत बढ़ने का डर है।

2026 में भी रूस से गैस खरीद बढ़ी

यूरोपीय संघ की ऊर्जा नियामक एजेंसी के आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी से मई 2026 के बीच यूरोप में रूस से पाइपलाइन के जरिए आने वाली गैस की खरीद पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 7% बढ़ी। रूस से तरल प्राकृतिक गैस यानी एलएनजी की खरीद भी 11% बढ़ी। इससे पता चलता है कि प्रतिबंधों के बावजूद यूरोप की रूस पर ऊर्जा निर्भरता पूरी तरह खत्म नहीं हुई है।

सीजेपी फंडिंग पर अमेरिकी सिंगर और अभिजीत दीपके आमने-सामने

मैरी मिलबेन बोलीं- मोदी के साथ काम करो

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी गायिका मैरी मिलबेन और कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के संस्थापक अभिजीत दीपके के बीच सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर तीखी बहस हुई। मिलबेन ने दावा किया कि सीजेपी को भारत में प्रदर्शन करने के लिए अमेरिकी फंडिग मिल रही है। उन्होंने भारतीय युवाओं से इन ताकतों के खिलाफ एकजुट होकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने की अपील की। उन्होंने दीपके को सलाह दी कि वे पीएम के साथ बैठकर बात करें और भारत को आगे बढ़ाएं। इस पर दीपके ने कहा, पीएम मोदी अपने ही देशवासियों को बदनाम करने के लिए अमेरिकियों का समर्थन क्यों ले रहे हैं?

दरअसल, विपक्ष और सीजेपी स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (SIR) और चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर 15 दिन से देशभर में प्रदर्शन कर रहे हैं।



दीपके का जवाब, 'विदेशी नागरिकों को भारत के आंतरिक मामलों में दखल देने का अधिकार किसने दिया? हम अपने मुद्दों से निपटने में पूरी तरह सक्षम हैं। हमें अपने देश के मामलों में बाहरी लोगों के हस्तक्षेप की जरूरत नहीं है।'

मिलबेन ने फरवरी 2021 में किसान आंदोलन के दौरान मोदी सरकार के कृषि कानूनों का समर्थन करते हुए कहा था कि उन्हें किसानों की जिंदगी बेहतर बनाने के मोदी के विजन पर भरोसा है। अगस्त 2023 में मणिपुर हिंसा के मुद्दे पर भी उन्होंने मोदी का समर्थन किया था। उन्होंने उस समय कहा था कि भारत को अपने नेता पर भरोसा है ।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96